आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-2, अंक-11 नवम्बर, 2023

आयुर्वेद एवं आयुर्वेद दिवस

आयुर्वेदयति बोधयति इति आयुर्वेदः।

अर्थात् जो शास्त्र (विज्ञान) आयु (जीवन) का ज्ञान कराता शाखा (उम्र का विभाजन) आयु विद्या, आयुसूत्र, आयुज्ञान, आयु लक्षण (प्राण होने के चिह्न) आयु तन्त्र (शारीरिक रचना शारीरिक क्रियाएं) इन सम्पूर्ण विषयों की जानकारी मिलती है वह आयुर्वेद है। आयुर्वेद 5000 वर्ष पुरानी भारतीय चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद भारतीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धार्मिक परंपराओं में समाहित है और इसे अपनी उत्कृष्टता और प्राकृतिक उपचार के लिए जाना जाता हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वेदों मे मिलती है। आयुर्वेद मे शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाये रखने के लिए विभिन्न सिद्धान्तों का विस्तार से वर्णन मिलता है। आयुर्वेद का मुख्य लक्ष्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना एवं रोगी हो जाने पर उसके विकार का प्रशमन करना है। ऋषि जानते थे कि धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ जीवन से है इसीलिए उन्होंने आत्मा के शुद्धिकरण के साथ शरीर की शुद्धि व स्वास्थ्य पर भी विशेष बल दिया है। क्योकि पुरुषार्थ चतुष्टयं की प्राप्ति का मुख्य साधन शरीर है। अतः सम्पूर्ण कार्यों मे विशेष रुप से शरीर की रक्षा करना चाहिए। आयुर्वेद में बताये गए उपचार प्राकृतिक होते हैं। जिसका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नही होता है, आयुर्वेद रोगों के समूल नाश के साथ स्वस्थ जीवन शैली को बनाये रखने के लिए मार्गदर्शन करता है। आयुर्वेद मे आयु के लिए हितकर, पथ्य आहार-विहार,अहितकर(अपथ्य आहार.विहार, रोगों के निदान, (कारण) एवं व्याधियों की सम्पूर्ण चिकित्सा का वर्णन किया गया है। आयुर्वेद को विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO द्वारा एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप मे स्वीकार किया गया है।

आयुर्वेद के महत्व को बढ़ावा देने के लिए लोगों को इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति के लाभों के बारे मे जागरूक करने के लिए प्रत्येक वर्ष हिंदू देवता भगवान धन्वंतरि (धनतेरस) की जयंती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया जाता है। 2016 में, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भगवान धन्वंतरि की जयंती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में घोषित किया। पहला आयुर्वेद दिवस 28 अक्टूबर 2016 को मनाया गया था। पहले राष्ट्रीय आयुर्वेदिक दिवस की थीम थी, 'मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आयुर्वेद'। आयुर्वेद दिवस पर विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, और आयुर्वेद प्रेमियों को एक साथ आने का अवसर मिलता है जो इस क्षेत्र में नवाचारों और विकास के बारे में बातचीत करते हैं। इसके माध्यम से लोगों को आयुर्वेद की विशेषता और इसके लाभों के प्रति जागरूक किया जाता है।

इस साल आयुर्वेद दिवस सभी के लिए बहुत खास होगा क्योंकि इस दिन को अंतर्राष्ट्रीयस्तर पर मनाया जाएगा दुनिया भर के लगभग 100 देश इस दिन को सेलिब्रेट करेंगे। 2023 में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 10 नवंबर 2023 को मनाया जा रहा हैं। 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 उत्सव का विषय 'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' है, जिसकी टैगलाइन 'हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद' है। आयुष मंत्रालय का लक्ष्य न केवल मनुष्यों, बल्कि पर्यावरण, पौधों और जानवरों की भलाई को बढ़ावा देने में आयुर्वेद की क्षमता का पता लगाना है। इसलिए, 8वें आयुर्वेद दिवस के लिए चुनी गई थीम 'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' है।

'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' की थीम भारत के जी20 प्रेसीडेंसी थीम 'वसुधैव कुटुंबकम' के अनुरूप है, जिसका अर्थ है 'दुनिया एक परिवार है'। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस ;आयुर्वेद संकाय मे दिनाँक 8,9,10 नवंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी सुखायु-2023 स्रोतस विषय पर आयोजित की जा रही है । जिसमें देश भर से आये आयुर्वेद विशेषज्ञ वैज्ञनिक एवं आयुर्वेद के विद्यार्थी अपने अनुसंधान और अनुभवो को सांझा करेंगे।

आयुर्वेद का उद्देश्य ही स्वस्थ प्राणी के स्वास्थ्य की रक्षा तथा रोगी की रोग को दूर करना है ।

प्रयोजनं चास्य स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणं आतुरस्यविकारप्रशमनं च॥ (चरकसंहिता, सूत्रस्थान 30/26)

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद

मानव सेवा को मुक्ति एवं साधना के मार्ग-स्वरूप तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना सन् 1932 में की। शिक्षा-स्वास्थ्य-सेवा की त्रिवेणी से समाज-रचना एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का यज्ञ प्रारम्भ हुआ। अहर्निश चलने वाले इस यज्ञ की प्रज्ज्वलित अग्निशिखा में तपकर निकलने वाले योग्य नागरिक निर्माण की यज्ञ-शाला बनी विविध शिक्षण-प्रशिक्षण-चिकित्सा एवं सेवा-भावी संस्थाएं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सम्पूर्ण संस्थाओं के हम सभी शिक्षक-चिकित्सक-कर्मचारी-पदाधिकारी इस यज्ञ-शाला की आहुति हैं, जिसके जलने-तपने से यज्ञ-शाला की देव-समर्पित (समाज-राष्ट्र समर्पित) अग्निशिखाएं एवं यज्ञ-धूम निकलती है जो अपने आचार-विचार-संस्कार- ज्ञान-विज्ञान से भारतमाता के आंगन को सुगंधित करती है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद में कार्यरत हम सभी तपस्वियों को लक्ष्य ऊँचा और उदात्त है, कार्यपद्धति एकमेव और अद्भुत है, निष्ठा असंदिग्ध है, साधना में सातत्य है, समर्पण शर्तहीन है किन्तु मार्ग कंकटाकीर्ण है। इस पथ पर चलते-चलते कभी पथ लम्बा और पाथेय अपथ्य लगने लगता है। ऐसा किसी एक के साथ नहीं, किसी एक के अतिरिक्त, अधिकांश लोगों के साथ होता है। जिस किसी एक के साथ ऐसा नहीं होता वही इस साधना के तपोवन का द्वीप होता है। जिस किसी एक को, आशा-निराशा, सफलता-असफलता और साधक-बाधक परिस्थितियाँ उसके ध्येय पथ से विचलित नहीं कर पाती, तपते मार्ग को हल्की छाया को लक्ष्य मानकर जो संतुष्ट नहीं होता, उस वीरव्रती की कालजयी साधना और सनातन सोच ही ध्येय पथ के पथिकों की शक्ति होती है।

हमारा जितना बड़ा लक्ष्य, उतनी ही बड़ी प्रेरणा और उतना ही लम्बा पथ। छोटे रास्ते से बड़ा काम नहीं हो सकता। परिवर्तन बातों से नहीं आता। परिवर्तन की पहली शर्त है, भविष्य के प्रति पूर्ण आस्था और अपने कर्म पर भरोसा। निर्माण निहोरा देने से नहीं होता, निर्माण का प्रथम बिन्दु है साध्य का स्पष्ट ज्ञान एवं साधना, विद्या और मार्ग पर विश्वास। वर्तमान को अतीत की दृष्टि से नहीं, अतीत को आधुनिक सन्दर्भ प्रदान करने से भविष्य युगानुकूल वर्तमान बनकर धरती पर उतरता है।

श्री गोरक्षपीठ के आधुनिक पीठाधीश्वरों का यही मंत्र है, यही संदेश है, यही उपदेश है। भारतीय धर्म-संस्कृति को समर्पित राष्ट्र-समाज के कार्य को ईश्वरीय कार्य मानकर साधनारत हम पथिकों की यही प्रेरणा है यही शक्ति है।

भारत माता की जय...

- सम्पादक

प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

भारतीय ज्ञान परम्परा

हमारी संस्कृति एवं सभ्यता का आधार ज्ञान है। इसलिए इस देश में ज्ञान को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है- 'न हि ज्ञानेन सदृर्श पवित्रमिह विद्यते।' भारत में ऋषि ऋण की संकल्पना ज्ञान की उपासना की अवधारणा हैं इस देश में निष्कारण छः अंगो सहित वेद का अध्ययन करना चाहिए, ऐसा उपदेश दिया गया - 'निष्कारणेन षडग्डों वेदोध्येयों ज्ञेयश्य।' ज्ञानविहीन मुनष्य की तुलना पशु से की गई है- 'विद्याविहीनः पशुः।' इस देश की परम्परा ने दो प्रकार के ज्ञान की चर्चा की है-नित्य-अनित्य व परा-अपरा। परा विद्या में आत्मविद्या एवं अपरा विद्या में समस्त भौतिक विद्याओं का समावेश हो जाता है। इन दोनों विद्याओं के अध्ययन के लिए प्रेरित किया गया है- 'द्वे विद्ये वेदितव्ये परा चैव अपरा च।' आज संसार की समूची प्रतिभा केवल एक ही कार्य में लगी हुई है। वह कार्य है भौतिक संसार को पूर्ण विकास तक ले जाना। इसके लिए हम संसार की छोटी से छोटी बातों की जानकारी संगृहीत कर रहे है। जिस प्रकार हमारा बाह्य जगत् है, भौतिक संसार है उसी प्रकार हमारा आन्तरिक जगत् है, अभौतिक संसार है। जिस प्रकार हम भौतिक विकास की श्रृंखलाओ का अध्ययन कर रहे हैं उसी प्रकार हमें अभौतिक अर्थात् आन्तरिक जगत् का भी अध्ययन करना आवश्यक है। भारत में दोनो प्रकार की विधाओं के अध्ययन की परम्परा है।

शेष अगले अंक में...

हम और हमारी संस्था

युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ईस्वी में ब्रिटिश शासन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना करने का उद्देश्य स्पष्ट था। वे भारत में ब्रिटिश शासन द्वारा प्रारम्भ की गई शिक्षा व्यवस्था के प्रबल विरोधी थे। महन्त जी महाराज की स्पष्ट धारणा थी कि शिक्षा राष्ट्रीय विकास (सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक) का एक प्रबल साधन है। अतः राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कि भारतवासियों में देश की प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति पर आधारित एक राष्ट्रीय व्यक्तित्व का विकास कर सके। महन्त जी ने ब्रिटिश शासन द्वारा स्थापित एवं विकसित की जा रही शिक्षा पद्धति का मूल्यांकन करते हुए कहा था कि वर्तमान भारतीय शिक्षा पद्धति का वास्तविक दोष यह है कि वह लार्ड टी.वी. मैकाले के 2 फरवरी 1835 ईस्वी के कुख्यात मिनट पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से भारतीयों का एक ऐसा वर्ग बनाने का था जो ब्रिटिश शासन तथा करोड़ों भारतीयों के बीच मात्र द्विभाषिए का काम करे तथा वे रक्त एवं रंग में तो भारतीय हों, किन्तु रूचियों, विचारों, नैतिकता तथा बुद्धि की दृष्टि से अंग्रेज हों। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा यह भी रेखांकित किया गया कि ब्रिटिश शासन की शिक्षा नीति का एक और प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भारतीय वस्तु को निकृष्ट ठहराना तथा भारतीयों में अपनी संस्कृति एवं अपनी परम्परा के प्रति हीनभाव पैदा करना था।

शेष अगले अंक में...

जागरूकता अभियान

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग

खत्रीपुरा में ग्रामीणों को जागरूक करती छात्राएं

दिनांकः 02 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग में अध्ययनरत तृतीय वर्ष की 15 छात्राओं द्वारा ग्राम खत्रीपुरा में मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रोलप्ले से की गई।

जिसका मुख्य उद्देश्य कचरे को सुव्यवस्थित करना था। छात्राओं ने रोल प्ले एवं स्वरचित कविता के माध्यम से ग्रामीणों को कचरे के निपटान एवं राकेथाम के बारे में जानाकरी दी। मास हेल्थ एजुकेशन के अंतर्गत चार्ट पेपर एवं अलग–अलग ए.वी. एड्स के द्वारा हेल्थ एजुकेशन दिया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के विषय जैसे– वेस्ट डिस्पोजलख पपेट शो एवं फूड हाइजीन के विषयों में बताया गया।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा स्कूल के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को जलपान दिया गया। यह कार्यक्रम सुश्री रोजी की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

जागरूकता अभियान

गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग

दिनांकः 02 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जंगल कौड़िया, गोरखपुर में बीएससी नर्सिंग की तृतीय वर्ष की 15 छात्राओं द्वारा 'मास हेल्थ एजुकेशन' का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रामीणों को 'मास हेल्थ एजुकेशन'' के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

नर्सिंग कॉलेज की 15 छात्राओं द्वारा विभिन्न तरीकों से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। जिसमें पोस्टर्स के माध्यम एवं स्वरचित कविता, भाषण के माध्यम से गांव के कचरे को सुव्यवस्थित ढंग से रखने व नष्ट करने आदि विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मास हेल्थ एजुकेशन के अंतर्गत चार्ट पेपर, एवं अलग–अलग एवी एड्स के द्वारा हेल्थ एजुकेशन दिया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के विषय जैसे वेस्ट डिस्पोजल के विषयों में बताया गया।

पोस्टर के माध्यम से कचरे निस्तारण पर जागरूक करती छात्राएं

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा स्कूल के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को जलपान दिया गया। यह कार्यक्रम मिस आराधना एवं मिसेज निधि सिंह के नेतृव में सम्पन किया गया।

'रन फॉर आयुर्वेदा'

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस

दिनांक 04 नवम्बर, 2023 दिन शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज मे धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल मे आयुर्वेद के प्रति जन समुदाय को जागरूक करने के लिए एक रैली 'रन फ़ॉर आयुर्वेदा' निकाली। विद्यार्थियों ने आयुर्वेद के प्रेरक नारों द्वारा जन समूह को जागरूक किया। विद्यार्थी अपने साथ आयुर्वेद से संबंधित जानकारियों की तख्ती भी लेकर आए और संदेश का प्रचार प्रसार किया। रैली को हरी झंडी आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने दिखाई और रैली का नेतृत्व डॉ. नवीन के ने किया। रैली मे आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक ने 'रन फ़ॉर आयुर्वेदा' में अपनी सहभागिता दी।

रैली निकालते आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थी एवं प्राध्यापकगण

"NEOPHYTES" फ्रेशर पार्टी

सम्बंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु आयोजित फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थी एवं प्राध्यापकगण

दिनांक 04 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023–24 में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु "NEOPHYTES" फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख द्वीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता महोदय द्वारा सभी विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उन्होंने सभी विद्यार्थी को सदा आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हुए अपने आशीषवचनों से उनका मार्गदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में सीनियर्स व जूनियर्स द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई जिनसे सभी मंत्रमुग्ध हो गए। बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष की छात्रा प्रीति शर्मा ने फ्रेशर पार्टी पर विचार प्रस्तुत किया। बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र शिवम पाण्डेय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए अपने जूनियर्स का स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में एमएससी के छात्र अशोक चौधरी द्वारा काव्य मंजूषा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के माध्यम से अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा व सुश्री प्रभा शर्मा द्वारा मिस फ्रेशर व मिस्टर फ्रेशर के नाम की घोषणा की गई।

बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर के छात्र नवनीत जायसवाल को मिस्टर फ्रेशर और छात्रा सोनाली तिवारी को मिस फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी की छात्रा शिवानी सिंह, अंशिका सिंह, मंजूषा द्विवेदी व मानसी श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., फार्मेसी संकाय के प्रधानाचार्य डॉ. शशिकांत सिंह जी व संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहें।

फ्रेशर पार्टी

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल संकाय

दिनांक 05 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सत्र 2023–24 में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु "RUBARU" फ्रेशर पार्टी का अयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय द्वारा फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह तथा सभी विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के माध्यम से प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव व डॉ. शशिकांत सिंह द्वारा मिस फ्रेशर व मिस्टर फ्रेशर के नाम की घोषणा की गई। पैरामेडिकल संकाय के ऑप्टोमेट्री विभाग के छात्र दिव्यांश दुबे को मिस्टर फ्रेशर और डायलिसिस विभाग कि छात्रा अदिति चौधरी को मिस फ्रेशर के खिताब से नवाजा गया।सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन ऑर्थोपेडिक विभाग के छात्र एवं छात्रा रंजित सिंह, आयुषी राज व मेडिकल लेबोरेटरी विभाग की छात्र एवं छात्रा अंशिका मौर्या व हर्ष गुप्ता ने किया। इस कार्यक्रम में पैरामेडिकल कॉलेज के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

मिस फ्रेशर एवं मिस्टर फ्रेशर के साथ पैरामेडिकल के प्राचार्य

मतदाता जागरूकता अभियान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मेंहदी प्रतियोगिता में हाथों पर बनाई गई मेंहदी दिखाती छात्राएं

दिनांक 06 नवम्बर, 2023 महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मेहंदी प्रतियोगिता में सभी संकायों के छात्र–छात्राओं ने 'मेरा वोट, मेरा अधिकार, चलो मतदान करे' विषय को केंद्रित करते हुए मेहंदी प्रतियोगिता में अपने हाथ पर लगाकर अपने भावो को अभिव्यक्त किया।

मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी (निर्वाचक अग्रदूत) डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मेहंदी प्रतियोगिता के विषय 'मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें' पर राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण जी ने विद्यार्थियों को वोट की शक्ति और महत्व पर सभी का मार्गदर्शन किया। आयोजन संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय, आयुर्वेद कॉलेज, कृषि विज्ञान और फार्मेसी विभाग और नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में 'लोकतंत्र की जान आ गया मतदान का त्यौहार' और 'आलस को भगाएंगे' वोट करने जायेंगे' का नारा लगाकर सभी को वोट के प्रति संकल्पित किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, प्रति कुलसचिव श्रीकांत जी, आयुर्वेद कॉलेज के डॉ. मंजूनाथ एन.एस., सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. सिंह का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में सभी निर्वाचक योद्धा शिवम पांडेय, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, शिवम सिंह, राहुल वर्मा, अभिषेक ओझा, सिद्धि सिन्हा, विजय चौधरी, अनुभव ने सहयोग किया।

जनपदीय नोडल अधिकारी प्रो. श्रीमती कुमुद त्रिपाठी जी के दिशा निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शासन द्वारा 1 नवंबर से 9 दिसंबर 2023 तक विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता सुनिश्चित की गई है। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्याणक डॉ. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, ई. अपूर्वा आनंद सिंह ने प्रतिभागियों का चयन किया ।

मेंहदी प्रतियोगिता का परिणाम–प्रथम स्थान–साधना साहनी, द्वितीय स्थान–सेजल, अलका कुशवाहा, अमृता कन्नौजिया, तृतीय स्थान–मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया, अलका कुमारी, सांत्वना–शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि, मनिता।

जागरूकता अभियान

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक 06 नवम्बर, 2023 को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर गोरखपुर मे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओ ने गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉक्टर डी. एस. अजीथा के नेतृत्व में कुष्ठ आश्रम के रोगियों के साथ मिले वहां पर उनके बारे में जानकारी ली फिर उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व को समझाया। यह कार्य स्वयंसेविकाओ ने करके और उनसे कराकर जागरूक किया। सभी स्वयं सेविकाओ ने मिलकर आश्रम परिसर की सफाई का भी

कृष्ठाश्रम में साफ–सफाई करती हुई नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

कार्य कर उसे स्वच्छ और सुन्दर बनाने में मदद की। स्वयंसेविकाओं ने आश्रम मे यह देखा कि आश्रम तीन भागों मे विभाजित है, जिसमे पहले विभाग मे मानसिक रोगी, दूसरे विभाग में महिला कुष्ठरोगी एवं तीसरे विभाग में पुरूष कुष्ठरोगी थे। आश्रम में बहुत सारे ब्लॉक थे। प्रत्येक ब्लॉक में दो रोगियों को रखा गया था। स्वयंसेविका सभी से मिली और उन्हें जागरूक किया। यह कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी चौरंगीनाथ के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सत्यभामा सिंह, सुश्री अमृता की देखरेख में कराया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

"सुखायु" राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रथम दिवस

सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियो को सम्बोधित करती डॉ. मंगलागौरी वी. राव

दिनांक 08 नवम्बर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि प्रो. रामचन्द्र रेड्डी प्रोफेसर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय अपने व्याख्यान में कहा कि आप सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय आपको मिला है निश्चित रूप से आप गोरक्षनाथ पीठ और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो आपके कुलाधिपति भी हैं के सपने को साकार करेंगे विश्वस्तरीय एक एक श्रेष्ठ वैद्य निर्माण करने के सारे गुण इस आयुर्वेद कॉलेज के पास है विश्व स्तरीय संकाय जो यहां है उसमें महान सहयोग प्रदान करेगी।

सभी सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं वो आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है जिसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद में रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि भी बताया गया है नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है आने वाले समय में औषधि क्षेत्र में शोध आदि करेगा इसकी योजना बन रही है। आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है वो विश्व में कहीं नहीं है ये तीनों मिलकर एक महान भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित डॉ. जी. एन. सिंह ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिकित्सा में उपयोग होने जा रहा है। हमें अपने खान–पान रहन–सहन का ध्यान रखना चाहिए। अध्यक्षीय भाषण देते हुए कुलपति डॉ. अतुल कुमार बाजपेई ने कहा कि पूरा विश्व आयुर्वेद के **तरफ देख रहा है।** आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पूराना होते हुए आज भी जीवन्त है।

वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के प्रथम सत्र में स्त्रोतों का अवलोकन और अन्वेषण विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए डॉ. प्रीतिमयी साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, काय चिकित्सा विभाग, श्री बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, फर्रूखाबाद ने कहा कि स्त्रोतस शब्द का शाब्दिक अर्थ है मार्ग। स्त्रोतस के माध्यम से ही परिणाम प्राप्त धातुओं का वहन होता है। उन्होंने स्रोतस विषय पर प्रकाश डाला जिसमें उन्होंने वेदों, उपनिषदों और पुराने ग्रंथों में स्त्रोतों की मौजूदगी के बारे में बताया। उन्होंने स्त्रोत–दुष्टि, स्त्रोत के प्रकार, कुल संख्या के बारे में भी बताया। नर और नारी में स्त्रोतों का सांख्यश्रोतोमयं हि शरीरम् की व्याख्या की। पुरुषों में अलग–अलग आचार्य के अनुसार कुल संख्याण् स्त्रोतों की

संख्या 9 और स्त्री में 12 होती है उन्होंने सभी 13 प्रकार के स्रोतों के बारे में बताया जो मानव शरीर के सामान्य कामकाज के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि धमनी और शिरा भी एक प्रकार के स्रोतस हैं। सभी प्रेजेंटेशन को अच्छे सचित्र और वीडियो प्रेजेंटेशन की मदद से समझाया गया जो बेहतर समझ के लिए अच्छा था। उन्होंने मुख्य रूप से 'श्रोतोमयं हि शरीरम्' पद की सहायता से स्त्रोतों की व्याख्या की।

द्वितीय सत्र में स्त्रोतसों के अनुसार आहार और जीवन शैली विषय पर आयुर्वेदिक दृष्टिकोण पर अपनी प्रस्तुति देते हुए डॉ. मंगलागौरी वी राव, विभागाध्यक्ष, एसोसिएट प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू वाराणसी ने कहा कि किसी भी प्रकार के विकार के लिए कई प्रकार के स्रोत शामिल होते हैं। दिनचर्या और ऋतुचर्या स्वस्थ रहने हेतु बहुत महत्वपूर्ण है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए भी दिनचर्या महत्वपूर्ण है। उचित पोषण मूल्य के लिए हमें पौष्टिक भोजन विशेषकर मौसमी भोजन लेना चाहिए और वो भोजन अपने स्वाद के अनुसार होना चाहिए। यदि हम अपने घर की किचन को फार्मेसी बनाते हैं तो फार्मेसी को पेट में जाने से रोक सकते हैं। आहार डिज़ाइन के बारे में बताते हुए कहा कि यदि हम आयुर्वेदिक आहार को रुचिकर तरीके से डिजाइन करते हैं तो वो भोजन हमारे लिए हितकारी होता है। विरुद्ध आहार के बारे में भी बताते हुए कहा कि यह हमारे शरीर को अहितकारी होता है। भोजन में सभी प्रकार के रसों का प्रयोग होना चाहिए।

चतुर्थ सत्र में डॉ. प्रसन्ना मोगासले एसोसिएट प्रोफेसर संहिता सिद्धांत विभाग एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद उडुपी कर्नाटक ने कहा कि स्रोतो दुष्टि के कारण और अभिव्यक्ति विषय पर अपनी शोध प्रस्तुति देते हुए कहा कि जो हमारी जिंदगी है वो अभ्यांतर स्रोतस की तरह है। स्रोतों दुष्टि के बारे में बताते हुए कहा कि यदि अनियमित आहार विहार करते हैं तो हम बीमार हो सकते हैं यदि एक स्रोतस में दुष्टि अर्थात विकार उत्पन्न हो हो रहा तो अन्य स्रोतस में भी विकार उत्पन्न हो सकता है ये अहित आहार–विहार के सेवन के कारण होता है अतः हमें हितकारी आहार विहार करना चाहिए। परिचय भाषण आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. और आभार ज्ञापन डॉ. पियूष वर्षा ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन बीएएमएस छात्र आशीष चौधरी और छात्रा शाम्भवी शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे, डीन एलाएड हेल्थ साइंस, डॉ. सुनिल सिंह, डीन नर्सिंग कॉलेज डॉ. अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से अपनी शोध प्रस्तुतिकरण करने आए हुए आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

"सुखायु" राष्ट्रीय संगोष्ठी

द्वितीय दिवस

सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधार्थियो से संवाद स्थापित करते हुए डॉ. अजय कुमार

दिनांक 09 नवम्बर, को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम सत्र में डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ कायचिकित्सा, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी ने अपनी शोध प्रस्तुति प्रदान करते हुए कहा कि स्त्रोतस शरीर के घटकों के परिवहन और परिवर्तन के लिए एक स्रावी चौनल को कहते हैं। स्त्रोतस संख्या में असंख्य हैं और दो प्रकारों में विभाजित हैं। बहिर्मुखी स्रोतस और अंतर्मुखी स्त्रोतस। संख्या में बहिर्मुखी स्रोतस की संख्या पुरुष में 9 और महिला में 11 है। यदि किसी कारण से स्रोतस प्रभावित हो जाते हैं तो रोग उत्पन्न होता है। रोग की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार तीन मुख्य कारण हैं। दोष वृद्धि, दुष्य शिथिलता, और स्रोतोविगुनिया। स्रोतोदुष्टि के कारण को समझाते हुए कहा कि आहार और विहार स्रोतो दुष्टि के लिए जिम्मेदार होते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए हमारा आहार अच्छा होना। अन्न ही प्राण है। यदि यह शुद्ध होता है तो दवा की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

सुखायु के द्वितीय सत्र में डॉ. अवधेश कुमार पाण्डेय रोल ऑफ आयुर्वेदिक टेक्नीक इन द मैनेजमेंट ऑफ वैरियस स्रोतोदुष्टि विकार विषय पर कहा कि सर ने अपने संबोधन की शुरुआत पदार्थ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाए ऐसे चौनल को स्रोतस कहते हैं स्रोतस शब्द की व्युत्पत्ति, निरुक्ति सहित परिभाषा बताते हुए कहा कि स्रोतोदुस्ती को ही वैगुण्य भी कहते है। जिसका जिक्र इस राष्ट्रीय सेमिनार के नाम सु–ख–आयु में दिख रहा है। चरक और सुश्रुत के अनुसार स्रोतोदुष्टि विकार और शल्य चिकित्सा पद्धति के बारे में विस्तार से बताया

तृतीय सत्र में डॉ. गिरिश के. जे.

प्रोफेसर और उप प्राचार्य पतंजलि आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान हरिद्वार ने इक्सक्रिटरी चौनल एक्शाप्लोरिंग द डाएग्नास्टिक और थैरापूटिक मार्ग आयुर्वेद मैनेजमेंट बांझपन और यौन डिस्आडर विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए कि आहार विहार पुरुष और महिलाओं के यौन डिसआर्डर में अहम भूमिका निभाते हैं। अनियमित अहितकर विहार पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी ला रहे हैं जिससे नपुंसकता बढ़ रहा है इसी तरह महिलाओं में बांझपन भी बढ़ता हुआ दिख रहा है।यदि हमारा आहार विहार सही है तो हम ओजस्वी धैर्यवान और बलवान बनते हैं। इन सत्रों के समानान्तर ही गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के शिक्षकों और छात्रों सहित देश के विभिन्न आयुर्वेद महाविद्यालयों से आए हुए शिक्षकों और छात्रों ने अपने अपने शोध प्रस्तुति किए गए। आज के विभिन्न सत्रों का संचालन क्रमशः डॉ. शंकर दयाल शर्मा, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया। डॉ. अभिजीत ने किया। सत्र के अंत में डॉ. जी. एन. सिंह पूर्व ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया के जीवन पर संक्षिप्त डाक्युमेंट्री फिल्म दिखाया गया। कार्यक्रम में डॉ जी. एन. सिंह पूर्व ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया, विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, चिकित्सा अधिक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डॉ. राजेश बहल और भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालयों से अपनी शोध प्रस्तुतिकरण करने आए हुए आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

"सुखायु" राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं धन्वंतरि पूजन

तृतीय दिवस

धन्वंतरि दिवस पर पूजन–अर्चन करते आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य एवं विद्यार्थीगण

दिनांक 10 नवम्बर, को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय दिवस पर धन्वंतरि पूजन और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में आमंत्रित विषय विशेषज्ञ डॉ. राम मनोहर पी. अनुसंधान निदेशक, ACARA, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद, कोल्लम, केरल ने मनोवाह स्त्रोत और मनोदैहिक रोगों में इसकी भूमिका की समझ विषय पर अपने वैज्ञानिकी शोध प्रस्तुति देते हुए कहा कि अष्टाङ्गहृदय का मंगलाचरण ही कहता है कि सभी विकारों का आरम्भ मन से ही होता है। हमारा शास्त्र परंपरा मन, बुद्धि और आत्मा पर आधारित है। मानव शरीर में पांच आयाम है। इसका जिक्र भगवद्गीता में भी है जिसमें आत्मा को रथी, बुद्धि सारथी, मन प्रग्रह, इन्द्रिय घोड़े और शरीर ही रथ है। शरीर और मन को आयुर्वेद में आधार और आधेय कहा गया है। सभी रोग मनोवैज्ञानिक हैं। मनोवह स्रोतस के बारे में बताते हुए कहा कि मनोवह स्रोतस पूरे शरीर में मन की यात्रा को माइक्रो लेवल पर प्रस्तुत करता है। मन पूरे शरीर में सिर से लेकर पैर के तालु तक यात्रा करता है। मन का स्थान और कार्यालय मस्तिष्क है। यह मन इन्द्रिय है चेतना नहीं चेतना का स्थान हृदय है। आयुर्वेद के अनुसार हृदय, गट और त्वचा मन के केन्द्र हैं जहां मन यात्रा करता है। रस, धातु का सम्बन्ध मन से है यदि ये प्रभावित होंगे तो मन भी प्रभावित होगा। मन का पोषण भोजन से होता है। मनका कारण अन्न है। आपका मन सात्विक, राजसिक या तामसिक होगा। उसका निर्धारण मन ही करता है।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए डॉ. एच. एच. अवस्थी प्रोफेसर रचना शरीर विभाग आयुर्वेद संकाय आईएमएस बीएचयू बनारस ने कहा उपनिषदों में अन्न को ब्रह्म तक कहा गया है। अतः हमारा अन्न शुद्ध होगा तो मन भी शुद्ध होगा। हमारे वहां कहावत भी है जैसा खाओ अन्न वैसा हो मन। मन की गति बहुत तेज है इसे बुद्धि के द्वारा नियंत्रित करना चाहिए। परिचयात्मक भाषण डॉ. तुषार ललित देशपांडे अश्विन रुरल आयुर्वेद कॉलेज मांची हिल संगमनेर ने दिया। प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और वैदिक मंगलाचरण कर किया गया। वैदिक मंगलाचरण और सत्र का संचालन क्रमशः आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय और डॉ. सार्वभौम ने किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में स्त्रोतस दुष्टि को समझने के लिए एकीकृत नैदानिक दृष्टिकोण विषय पर आमन्त्रित विषय विशेषज्ञ डॉ. परमेश्वरप्पा एस. बयादगी, प्रोफेसर, आरएनएनवी आयुर्वेद संकाय विभाग, बीएचयू, वाराणसी ने कहा कि स्रोतोदुष्टि होने के कारण त्रिदोष का कोप होता है उसके बाद दोष और दूष्य का समूर्छन होता है तपश्चात शोफ नामक व्याधि उत्पन्न होती है आयुर्वेद के इस सिद्धांत को आधुनिक औषधि विज्ञान से

"सुखायु" राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह

तुलनात्मक व्याख्या किया। आयुर्वेद के सिद्धांतों के आधार पर सिस्टिक फाइब्रोसिस नामक व्याधि को समझाया। स्रोतस के बारे में विस्तार से बताया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए डॉ. गोपीकृष्ण प्रोफेसर रोग निदान और विकृति विभाग गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज ने कहा कि अपने सोचने की प्रक्रिया को अच्छा करने के लिए एक अच्छी दृष्टि होनी चाहिए। यदि आप वैगुण्य को समझना चाहते हैं तो विभिन्न दृष्टिकोणों से देखना होगा। इस कथन को प्रमाणित करने के लिए महोदय ने शीत गुण का विभिन्न शारीरिक तंत्रों पर प्रभावों को समझाया। सत्र का संचालन बीएएमएस छात्रा शांभवी शुक्ला ने किया।

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर ने अपने व्याख्यान में कहा कि हर एक चीज की एक एसओपी होती है हमारे आयुर्वेद की एसओपी क्या है। दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य। जब हम अनियमित आहार विहार होता है तो हमारे शरीर में टाक्सिन उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद में उस टाक्सिन का शोधन और शमन करते हैं तब चिकित्सा करते हैं तो वो अधिक कारगर होता है। हमारी विशेषज्ञता वैद्य होने में है। हम अपने को वैद्य कहना आरंभ करें डाक्टर तो पीएचडी कर के भी लिख सकते हैं लेकिन वैद्य लिखने के लिए बीएएमएस करना पड़ेगा। आज जो हम आयुर्वेदिक औषधि बना रहे हैं उसकी वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा। हम आयुर्वेद क्षेत्र के लोग लकीर के फकीर ने बनें। आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक प्रयास करना होगा। कुलपति जी घोषणा किया की आगामी महीने में आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद कॉलेज में नाड़ी परीक्षण व मर्म चिकित्सा पद्धति पर कार्यशाला आयोजित होगा।

विशिष्ट अतिथि राम मनोहर पी अनुसंधान निदेशक ACARA, अमृता स्कूल ऑफ आयुर्वेद, कोल्लम केरल ने अपने व्याख्यान में कहा कि आयुर्वेद कहता है लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु अर्थात सभी सुखी हों ये शब्द ही इसे वैश्विकता प्रदान करता है। स्वस्थ आयु प्रदान करने वाला वेद ही आयुर्वेद है। कोरोना काल में आयुर्वेद ने अपने को पुनः सिद्ध किया है वो आज भी पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति है। धन्वंतरि वो है जो धनुष के द्वारा शत्रुओं का नाश किया अर्थात छः दोषों का नाश किया जो हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं। हमारा शरीर ही धनुष है। यदि इसको आहार विहार के द्वारा सही रखें तो ये स्वयं ही अपने शत्रुओं का नाश करता है। आयुर्वेद जीवन और मृत्यु का विज्ञान है यह सूर्योदय और सूर्यास्त के तरह जीवन और मृत्यु को देखता है। मृत्यु जीवन का आरंभ है ऐसा आयुर्वेद कहता है। हम नियमित आहार विहार के द्वारा स्वस्थ जीवन प्राप्त कर सकते हैं। अध्यक्षीय भाषण देते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन नहीं आरंभ है। निश्चित यह सेमिनार आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों और छात्रों को अपने शोध प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्रों को भी सम्मानित किया गया। अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत और परिचय भाषण देते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने सभी को धन्वन्तरि दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम का का संचालन बीएएमएस छात्र आशीष चौधरी और शाम्भवी शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, चिकित्सा अधिक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डॉ. राजेश बहल और भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालयों से अपनी शोध प्रस्तुतिकरण करने आए हुए आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं शिक्षक सहित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

वृहद स्वास्थ्य मेला

वृहद स्वास्थ्य कैम्प

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट अॅाफ़ मेडिकल साइंसेज

दिनांक 05 नवम्बर, 2023 को गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज बालापार द्वारा ग्राम सभा बंगला जंगल डुमरी नं 2 में एक विशाल स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन हुआ। कैंप का उद्घाटन पिपराइच के विधायक महेंद्र पाल सिंह ने किया, उन्होंने गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह इंस्टीट्यूट जब से खुला तबसे इस क्षेत्र कई कैम्प लग चुके सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए विशिष्ट अतिथि पिपराइच ब्लॉक प्रमुख जनार्दन जैसवाल व प्रमुख भटहट राघवेंद्र सिंह भी मौजूद थे अपने संबोधन में इंस्टीट्यूट के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने कहा यह चिकित्सालय लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करके हेतु कटिबद्ध है उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया चिकित्सालय के डॉक्टरों में डॉ. राकेश सिंह डॉ. ओपी सिंह डॉ. प्रदीप कुशवाहा डॉक्टर भरत डॉ. हरिवंश यादव। स्वास्थ्य कैंप में 785 मरीजों का परीक्षण हुआ। जिसमें 11 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किए गए तथा दवाइयां वितरित की गई कैम्प के आयोजन में विजेंद्र जायसवाल अध्यक्ष अशोक निषाद एवं उनकी

स्वास्थ्य कैम्प में जांच करती हुई चिकित्सिका

टीम बहुत योगदान रहा संचालन अनिल पांडेय ने किया। अंत में चिकित्सालयके प्रबंधक गिरिजेश कुमार मिश्रा ने सभी चिकित्सालय स्टॉफ एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

स्वास्थ्य कैम्प में नेत्रजांच करती हुई चिकित्सिका

दिनांक 26 नवम्बर, 2023 गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार रोड सोनबरसा द्वारा एक वृहद स्वास्थ्य मेले और नेत्र जांच शिविर का आयोजन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में किया गया स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर उन्होंने सबके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की तथा उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में बताया शिविर में कुल 503 मरीजों का परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों में डॉक्टर मंजूनाथ एन. एस. प्राचार्य, डॉ. ओ. पी. सिंह अर्थो सर्जन, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता एम. डी. मेडिसिन डॉक्टर रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ, डॉक्टर राकेश सिंह एम एस सर्जन, डॉक्टर प्रदीप कुशवाहा डॉ. भारत कुमार ने अपनी सेवाएं प्रदान की शिविर में आकांक्षा शुक्ला, ज्योति, शुभ पांडे, चंदन के साथ अखिलेश व हॉस्पिटल स्टॉफ के साथ 10 नर्सिंग छात्राओं का योगदान सराहनीय रहा।

अंत में प्रबंधक जी. के. मिश्र ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह

दिनांक 04 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक चलने वाले महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह में आयोजित होने वाले विविध प्रतियोगिताएं जैसे–गोरखवाणी, प्रश्नोत्तरी, श्रीरामचरितमानस पाठ, योगासन, अंताक्षरी, हिन्दी व अंग्रेजी निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी व अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता, कबड्डी, बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता, उदीयमान कवि गोष्ठी के लिए विद्यार्थियों के नाम चुने जा चुके है जिसके लिए सभी संकायों से दो–दो प्राध्यापकों को समन्यवयक बनाया गया था।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा जारी किए गए प्रतिभाखोज, सर्वोत्तम विद्यार्थी के लिए स्वर्णपदक हेतु सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का चुनाव सम्बन्धित विभागाध्यक्षों द्वारा कर लिया गया है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह में होने वाले शोभायात्रा हेतु विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को अभ्यास कराया जा रहा है। इस शोभायात्रा में श्रेष्ठ 75 विद्यार्थियों का चयन किया जा चुका है।

नवम्बर माह के प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

02 नवम्बर, 2023	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में "वोट डालेंगे हम" स्लोगन प्रतियोगिता में मतदान के प्रति संकल्पित हुए छात्र। इस प्रतियोगिता में 112 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
06 नवम्बर, 2023	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मेहंदी प्रतियोगिता में 75 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।
09 नवम्बर, 2023	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में निर्वाचन आयोग द्वारा संकल्पित रंगोली प्रतियोगिता को आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 छात्राओं ने मतदान विषय पर रंगोली बनाई।
26 नवम्बर, 2023	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर के 75वें स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के समस्त कैडेट्स द्वारा राष्ट्र संकल्प परेड किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

06 नवम्बर, 2023	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज में बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा कुष्ठाश्रम में जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया।
22 नवम्बर, 2023	सड़क सुरक्षा और मतदान जागरूकता के विविध प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

नवम्बर माह मुख्य बैठकें

03 नवम्बर, 2023	माननीय कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ अतिथिगृह के बैठक कक्ष में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें महिला छात्रावास की अधिक्षिका, सहायक अधिक्षिका, अभिरक्षिका आदि की उपस्थिति रहीं।
06 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में SERB-SURE OF DST योजना के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा प्रोजेक्ट, विषयसूची, पठन–पाठन एवं अनुशासन पर विचार–विमर्श हेतु बैठक सम्पन्न हुई।
21 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन, पठन–पाठन एवं अनुशासन पर विचार–विमर्श हेतु बैठक आयोजित की गई।
24 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में संस्थापक सप्ताह समारोह हेतु शोभायात्रा की तैयारी एवं 15 से 17 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी विवेचना एवं पठन–पाठन हेतु बैठक।
25 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में 15 दिसम्बर, 2023 से 17 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी विवेचना एवं पठन–पाठन हेतु बैठक।
27 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में 15 दिसम्बर, 2023 से 17 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी विवेचना एवं पठन–पाठन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा हेतु बैठक।
28 नवम्बर, 2023	माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में 15 दिसम्बर, 2023 से 17 दिसम्बर, 2023 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी विवेचना एवं पठन–पाठन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा तथा अनुशासन पर विचार–विमर्श हेतु बैठक।

Program Schedule

Day 1 (15-12-2023)			
8:30–10:00 AM	**Welcome and Registration of Participants and Speakers**		
Opening Ceremony and Keynote Address			
10:30–12:00 PM Venue : Auditorium Panchkarma Centre	Welcome Address	**Prof. Sunil Kumar,** Convener Dean, Faculty of Allied Health Sciences, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur	
	Inaugural Speech by Distinguished Guest	**Dr. Rajeev Singh Raghuvanshi** Drugs Controller General of India	
	Address by Chief Guest	**Dr. G. Satheesh Reddy** President, Aeronautical Society of India Former Secretary, DDR&D, Chairman DRDO and Scientific Advisor to Raksha Mantri	
	Special Guest	**Dr. Anant Narayan Bhatt** Sr. Scientist, Institute of Nuclear Medicine and Allied Sciences, DRDO, Delhi	
	Presidential Address	**Shri Yogi Adityanath Ji Maharaj** Hon'ble Chief Minister, Uttar Pradesh Chancellor, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur	
	Vote of Thanks	**Major Gen. (Dr.) Atul Bajpai (Retd.)** Vice Chancellor, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur	
12:00-12:30 PM	**TEA**		
12:30–1:15 PM Venue : Auditorium Panchkarma Centre	**Keynote Address:** "Anti-Inflammatory Drugs from Natural Products"	**Prof. Rajavashisth Tripathi** Director, Institute of Molecular and Ayurvedic Biology, GorakhpurEx-Professor, Molecular Biology Unit, Institute of Medical Sciences Banaras Hindu University, Varanasi	**12:00 – 1:15 PM**
1:15–2:15 PM	**LUNCH**		
Technical Session 1: Parallel Session Chair : **Prof. Rajavashisth Tripathi** • Co-Chair : **Dr. Madhav Nilakanth Mugale**			
2:30–4:30 PM Venue : Auditorium Panchkarma Centre	**Lecture 1:** "Translational Ayurveda: Routing Ayurveda Principles through Mainstream Science"	**Dr. Sanjeev Rastogi** (MD, PhD) Founder In-Charge, Ayurveda - Arthritis Treatment and Advanced Research Center (A-ATARC) Head, PG Dept of Kaya Chikitsa, State Ayurvedic College, Lucknow	**2:30 – 3:10 PM**
	Lecture 2: Development of Haemostatic Agent from Bio-polymer Alginate	**Dr. Anant Narayan Bhatt** Sr. Scientist, Institute of Nuclear Medicine and Allied Sciences, DRDO, Delhi	**3:10 – 3:50 PM**
	Lecture 3: "Natural products as specific inhibitors against CCL2 regulated leukocyte trafficking"	**Dr. Krishna Mohan Poluri** Professor, Department of Biosciences and Bioengineering Indian Institute of Technology, Roorkee	**3:50 – 4:30 PM**

Technical Session 2 : Parallel Session Chair : **Prof. Dinesh Yadav** • Co-Chair : **Dr. Krishna Mohan Poluri**			
2:30–4:30 PM **Venue :** **Room No. 22** **Ayurveda** **Building**	**Lecture 4:** "Stem cell research for drug discovery"	**Dr. Sujoy K. Dhara** Principal Scientist, Stem Cell Laboratory Division of Veterinary Biotechnology, ICAR-Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar, Bareilly, UP	**2:30 – 3:10 PM**
	Lecture 5: "Exploring the potential of Natural compounds for the management of Diabetes mellitus"	**Dr. Shilpy Sharma** Department of Biotechnology Savitribai Phule Pune University, Ganeshkhind Road, Pune, Maharashtra, India.	**3:10 – 3:50 PM**
	Lecture 6: "Ashwagandha is a potential therapeutic agent against bacteria and virus-induced gastric cancer"	**Dr. Hem Chandra Jha** Associate Professor, Ramanujan Fellow, Fellow of the Royal Society of Biology, Department of Biosciences and Biomedical Engineering, Infection Bio-engineering Group, IIT Indore, Simrol Campus, India	**3:50 – 4:30 PM**
4:30–5:00 PM	**HIGH TEA**		
5:30–6:30 PM	Young Scientist Award Presentation/Oral and Poster Presentation Venue: Room No. 22, Ayurveda Building		
Day 2 (16-12-2023)			
8:30–9:30 AM	**Welcome and Registration of Participants and Speakers**		
8:30–9:30 AM	**BREAKFAST**		
Technical Session 3: Chair : **Prof. Sarad Kumar Mishra** • Co-Chair : **Dr Sujoy K. Dhara**			
9:30–11:00 AM **Venue :** **Auditorium** **Panchkarma** **Centre**	**Lecture 7:** "Herbolomics - an emerging frontier"	**Padma Shri (Prof.) R. V. Hosur** (Raja Ramanna Fellow), UoM-DAE Centre for Excellence in Basic Sciences (CEBS) University of Mumbai campus, Kalina, Mumbai	**9:30 – 10:15 AM**
	Lecture 8: "Exploring the hepatoprotective and neuroprotective potential of natural compounds"	**Dr. Madhav Nilakanth Mugale** Principal Scientist/Associate Professor (AcSIR) Department of Toxicology and Experimental Medicine/CSIR - Central Drug Research Institute (CDRI), Lucknow	**10:15 – 11:00 AM**
11:00–11:30 AM	**TEA**		
Technical Session 4: Parallel Session Chair : **Prof. K. Rama Chandra Reddy** • Co-Chair: **Dr. Dinesh Kumar**			
11:30–1:00 PM **Venue :** **Auditorium** **Panchkarma** **Centre**	**Lecture 9:** "Azadirachta indica (Neem)–A Tree of Solving Global Health Problems"	**Prof. Sarad Kumar Mishra** Professor, Department of Biotechnology Deen Dayal Upadhyaya (DDU) Gorakhpur University, Gorakhpur	**11:30 – 12:15 PM**
	Lecture 10: "Compounds of natural origin as potential drug candidates for Cancer Therapy: Targeting Hedgehog Signaling pathway using Computational Approaches"	**Dr. Manish Dwivedi** Assistant Professor (III) Amity Institute of Biotechnology Coordinator, Research Publication/ Patent/ Consultancy, Research Cell Amity University, Lucknow	**12:15 – 1:00 PM**

Technical Session 5 : Parallel Session Chair : **Dr. Anil Kumar** • Co-Chair : **Mr. Rohit Kumar Srivastava**			
11:30–1:00 PM **Venue :** **Room No. 22** **Ayurveda** **Building**	**Lecture 11:** Automation in Microbial Techniques	**Dr. Amresh Kumar Singh** Associate Professor & Head Department of Microbiology BRD Medical College, Gorakhpur	**11:30 – 12:00 PM**
	Lecture 12: Advances in Blood Banking Techniques	**Dr. Rajesh Rai** Professor, Department of Pathology BRD Medical College, Gorakhpur	**12:00 – 12:30 PM**
	Lecture 13: Advance Molecular Techniques in Laboratory Testing	**Dr. Manodeep Sen** Professor, Department of Microbiology Dr. Ram Manohar Lahiya Postgraduate Institute of Medical Sciences, Lucknow	**12:30 – 1:00 PM**
1:00–2:00 PM	**LUNCH**		
Technical Session 6: Parallel Session Chair : **Dr. Rajeev Singh** • Co-Chair : **Prof. Shashikant Singh**			
2:30–4:00 PM **Venue :** **Auditorium** **Panchkarma** **Centre**	**Lecture 14:** "Fungal Pectinases: A Recent Insights into Production, Innovations and Applications"	**Dr. Dinesh Yadav,** PhD Professor of BiotechnologyDean, Faculty of Rural Sciences Director, Research and Development Cell, Nodal Officer-Intellectual Property Right (IPR) Cell DST-BOYSCAST Fellow Department of Biotechnology, D.D.U Gorakhpur University, Gorakhpur	**2:30 – 3:15 PM**
	Lecture 15: "Delivering Plant-derived Bioactives using Nonionic Assemblies"	**Dr. Sanjay Tiwari,** Ph.D. Associate Professor Department of PharmaceuticsNational Institute of Pharmaceutical Education and Research NIPER, Raebareli, Lucknow-226002, Uttar Pradesh, India.	**3:15 – 4:00 PM**
Technical Session 7: Parallel Session Chair : **Prof. Neeraj Sinha** • Co-Chair : **Dr. Gaurav Raj**			
2:30–4:00 PM **Venue :** **Room No. 22** **Ayurveda** **Building**	**Lecture 16:** Gene Regulation by RNA Interference: New Horizon for Drug Discovery	**Prof. Gaurav Kaithwas** Professor, Head and Dean, Department of Pharmaceutical Sciences, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow	**2:30 – 3:15 PM**
	Lecture 17: Discovery of Natural Product Based Therapeutic Agents for Alzheimer's Disease	**Dr. Gyan Prakash Modi** Associate Professor of Pharmaceutical Chemistry, Department of Pharmaceutical Engineering & Technology, Indian Institute of Technology (BHU), Varanasi	**3:15 – 4:00 PM**
4:00–4:30 PM	**HIGH TEA**		
Technical Session 8: Invited Young Scientists presentations (IYSP) Chair : **Prof. Shashikant Singh** • Co-Chair : **Dr. Vinamra Sharma**			
5:00–5:30 PM **Venue :** **Auditorium** **Panchkarma** **Centre**	**IYSP1:** Intensification of the pharmacokinetic and antiproliferative capabilities of the isolated pentacyclic triterpenoid (BetA) utilizing PLGA-based nanoparticles	**Dr. Pranesh Kumar** M. Pharm (Gold Medalist), Ph.D. Assistant Professor University of Lucknow, Lucknow	**5:00 – 5:30 PM**
5:30–6:30 PM	Young Scientist Award Presentation/ Oral and Poster Presentation (Parallel Session) Venue: Room No. 22, Ayurveda Building		

6:30–7:00 PM	Meeting of the Governing Body of TBRS (Venue: Room No. 22, Ayurveda Building		
Day 3 (17-12-2023)			
8:30–9:30 AM	**Welcome and Registration of Participants and Speakers**		
8:30–9:30 AM	**BREAKFAST**		
Technical Session 9: Parallel Session Chair: **Dr. Gyan Prakash Modi** • Co-Chair: **Dr. Hem Chandra Jha**			
9:30–11:00 AM Venue : Auditorium Panchkarma Centre	**Lecture 18:** "Designing and development of Ayurvedic dosage forms for the management of SARS-CoV-2 (COVID-19)"	**Prof. K. Rama Chandra Reddy** Professor and Head Department of Rasashastra, Institute of Medical Sciences (IMS), Banaras Hindu University (BHU), Varanasi	**9:30 – 10:15 AM**
	Lecture 19: "NMR based metabolomics: From Biomarker discovery to drug development"	**Prof. Neeraj Sinha** (Dean, CBMR) Head, Department of Advanced Spectroscopy and Imaging, Centre of Biomedical Research (CBMR), Lucknow, UP	**10:15 – 11:00 AM**
Technical Session 10: Parallel Session Chair : **Prof. Gaurav Kaithwas** • Co-Chair : **Dr. Manish Dwivedi**			
9:30–11:00 AM Venue : Room No. 22 Ayurveda Building	**Lecture 20:** "Cheminformatics Strategies using Natural products for exploring COVID-19 inhibitors"	**Dr. Sanjeev Kumar Singh** Professor, CADD and Molecular Modeling Lab, Department of Bioinformatics, Science Block,Alagappa University, Karaikudi-630 004, Tamil Nadu	**9:30 – 10:15 AM**
	Lecture 21: "Drug Discovery from Natural Products – Trends and Advances"	**Dr. Mala Trivedi,** PhD Professor, Head, Directorate of Research & Publications (Offg.)Amity Institute of Biotechnology,Head, Directorate of Research & Publications (Officiating) Amity University Uttar Pradesh, Lucknow	**10:15 – 11:00 AM**
11:00–11:30 AM	**TEA**		
Valedictory Session and Closing Ceremony, Award Distribution			
11:30–1:00 PM Venue : Auditorium Panchkarma Centre	Welcome Address and Recap of Conference Highlights	**Prof. Sunil Kumar, Convener** Dean, Faculty of Allied Sciences	
	Address by Distinguished Guest	**Dr. G. N. Singh** Advisor to Chief Minister of Uttar Pradesh Former Drug Controller General of India	
	Address by Distinguished Guest	**Prof. Sanjay Singh** Vice Chancellor, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow	
	Young Scientist Award/Oral Paper/ Poster Awards	**Dr. Dinesh Kumar** PresidentTranslational Biomedical Research Society, Lucknow	
	Presidential Address	**Major Gen. (Dr.) Atul Bajpai (Retd.)** Vice Chancellor, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur	
	Vote of Thanks	**Prof. Shashikant Singh** Principal, Faculty of Pharmaceutical Sciences, Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur	
11:30–1:00 PM	**LUNCH**		
1:30 onwards	Excursion trip to Gorakhpur Zoo, Ramgarh Taal, Gita Press and Gorakhnath Temple		

दिसम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
09 दिसम्बर, 2023	विश्वविद्यालय में स्थापित पंचकर्मा भवन का लोकार्पण माननीय कुलाधिपति द्वारा प्रस्तावित
12 दिसम्बर, 2023	पीएचडी हेतु संयुक्त शोध प्रवेश परीक्षा
15 दिसम्बर, 2023	विषम सेमेस्टर परीक्षाएं

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
18 से 22 दिसम्बर, 2023	पीए–6 सुश्रुत सत्र (2022–23)

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
15 से 17 दिसम्बर, 2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी
18 दिसम्बर, 2023	सेमेस्टर परीक्षा
28 से 29 दिसम्बर, 2023	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
02 से 12 दिसम्बर, 2023	प्रयोगात्मक परीक्षा
15 दिसम्बर, 2023	सेमेस्टर परीक्षा

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
09 दिसम्बर, 2023	एचआईवी व सिफालिस जागरूकता कार्यक्रम
16 दिसम्बर, 2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी
20 से 23 दिसम्बर, 2023	प्रथम आंतरिक परीक्षा

दिसम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
01, 06 दिसम्बर, 2023	विश्व एड्स दिवस (जागरूकता कार्यक्रम)
05, 09 दिसम्बर, 2023	सिमुलेशन लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी शिलान्यास
10 दिसम्बर, 2023	फाउंडेशन डे

फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल संकाय

04 से 10 दिसम्बर, 2023	महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, संस्थापक समारोह
07, 09 दिसम्बर, 2023	तत्कालिक भाषण प्रतियोगिता
15 से 17 दिसम्बर, 2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी

देव उठनी एकादशी

देवशयनी एकादशी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को होती है। यानि वह समय जब ज्येष्ठ-आषाढ़ मास के कठोर-रुक्ष प्राकृतिक संघर्ष से जीवों का बल अपेक्षाकृत क्षीण हो चुका होता है। यह 'आदान-काल' का अंतिम चरण है। इसके बाद चातुर्मास तक हिन्दू जीवन से जुड़े सभी बड़े शुभ-संस्कार नहीं किये जाते हैं। चातुर्मास विश्राम का समय है, फिर कुछ नया और श्रेष्ठ करने की तैयारी है, इसलिए लोक रीतियों में इस समय देवों के योगनिद्रा में चले जाने की मान्यता है।

इसी तरह कार्तिक मास के शुक्ल-पक्ष की एकादशी वह दिन है जब देव योग-निद्रा से जागते हैं। जिसे लोक देव उठनी एकादशी के रूप में मनाता है। शालिग्राम और तुलसी का पूजन व विवाह कर एक बार फिर जीवन के महत्वपूर्ण व शुभ सामाजिक-संस्कार शुरु हो जाते हैं। वो संस्कार जिनमें अधिक ऊर्जा, श्रम और एकाग्रता की आवश्यकता होती है।

यदि आप प्रकृति को महसूस कर सकते हैं तो पायेंगे कि इन दिनों में वर्ष के अन्य मौसमों की अपेक्षा प्रकृति हमारे अधिक अनुकूल लगती है। इसके लिए आपको किसी लैबोरेटरी की या किसी वैज्ञनिक-सिद्धांत और मानकों में खुद को फिट बैठाने की कोई जुगत नहीं लड़ानी है। स्वयं अपनी परिस्थितियों, साधनों और विवेक के अनुसार खुद को देखिये, परखिये और निष्कर्ष तक पहुँचे। आयुर्वेद की यही विशेषता है, कि यह प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में है। ऋतु, देश, काल और मनुष्य की प्रकृति अनुसार पथ्य-अपथ्य, आचार-विचार का वर्णन करते हुये ऋषियों ने इस काल को विसर्ग-काल कहा है।

परिस्थितियाँ सहयोगी हों तो स्वयं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से और अधिक सुदृढ़ बनाना कुछ सरल हो जाता है। इसलिए यह समय हमारे भीतर स्थित देवत्व यानि हमारे भीतर की श्रेष्ठ क्षमताओं को जगाने का श्रेयस्कर समय भी है।

मनुष्य जीवन से जुड़े वो सभी वैज्ञनिक शोध किस काम के जिनसे अधिकांश जन अनभिज्ञ ही रह जाये। इसीलिए मनुष्य और प्रकृति से जुड़े ये कुछ विशेष दिन लोक-रीतियों से भी जुड़े हैं। जिन्हें लोक आज भी उत्साह से मनाता है। कुछ लोग इन्हें समझ कर मनाते हैं और कुछ बिना समझे। लेकिन एक और वर्ग है जो ठीक से समझे बिना ही इन लोक रीतियों को मूर्खता और गँवरपन कह स्वयं को बुद्धिजीवी घोषित करता है।

लोक-रीतियाँ क्षेत्र विशेष की प्रकृति और ऋतु अनुसार विकसित होतीं हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी उपबृंहित होतीं रहतीं हैं। हमारे पर्व प्रकृति और जीवन से जुड़े हैं, उन्हें प्राकृत/मौलिक रूप में मनाने पर उसका सौन्दर्य और उपयोगिता सहज ही अनुभूत होती है। त्रिमता के बोझ से मुक्त रख उसके विशुद्ध आनंद को महसूस किया जा सकता है।

महर्षि भारद्वाज

महर्षि भारद्वाज

भारद्वाज ऋषि प्राचीन भारतीय ऋषि थे। चरक संहिता (Charaka Samhita) के अनुसार भारद्वाज ने इन्द्र से आयुर्वेद का ज्ञान प्राप्त किया था। ऋक्तंत्र के अनुसार वे ब्रह्म, बृहस्पति एवं इन्द्र के बाद वे चौथे व्याकरण-प्रवक्ता थे। उन्होंने व्याकरण का ज्ञान इन्द्र से प्राप्त किया था। महर्षि भृगु ने उन्हें धर्मशास्त्र का उपदेश दिया। तमसा-तट पर क्रौंचवध के समय भारद्वाज महर्षि वाल्मीकि के साथ थेए वाल्मीकि रामायण के अनुसार भारद्वाज महर्षि वाल्मीकि के शिष्य थे।

आपके पिता वृहस्पति और माता ममता थीं। ऋषि के प्रमुख पुत्रों के नाम हैं। ऋजिष्वा, गर्ग, नर, पायु, वसु, शास, शिराम्बिठ, शुनहोत्र, सप्रथ और सुहोत्र। उनकी 2 पुत्रियां थीं रात्रि और कशिपा। इस प्रकार ऋषि भारद्वाज की 12 संतानें थीं।

ऋषि भारद्वाज को प्रयाग का प्रथम वासी माना जाता है अर्थात् ऋषि भारद्वाज ने ही प्रयाग को बसाया था। प्रयाग में ही उन्होंने धरती के सबसे बड़े गुरूकुल, विश्वविद्यालय की स्थापना की थी और हजारों वर्षों तक विद्या दान करते रहें। वे शिक्षाशास्त्री, राजतंत्र मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, शस्त्रविद्या विशारद, आयुर्वेद विशारद, विधि वेत्ता, अभियॉत्रिकी विशेषज्ञ विज्ञानवेत्ता और मँत्र द्रष्टा थे। ऋग्वेद के छठे मंडल के द्रष्टाऋषि भारद्वाज ही हैं। इस मंडल में 765 मंत्र हैं। अथर्ववेद में भी ऋषि भारद्वाज के 23 मंत्र हैं। वैदिक ऋषियों में इनका ऊँचा स्थान है।

महर्षि भारद्वाज व्याकरण, आयुर्वेद संहिता, धनुर्वेद, राजनीतिशास्त्र, यंत्रसर्वस्व, अर्थशास्त्र, पुराण, शिक्षा आदि पर अनेक ग्रंथों के रचयिता हैं। पर आज यंत्र सर्वस्व तथा शिक्षा ही उपलब्ध हैं। वायुपुराण के अनुसार उन्होंने एक पुस्तक आयुर्वेद संहिता लिखी थी, जिसके आठ भाग करके अपने शिष्यों को सिखाया था। चरक संहिता के अनुसार उन्होंने आत्रेय पुनर्वसु को कायचिकित्सा का ज्ञान प्रदान किया था। ऋषि भारद्वाज को आयुर्वेद और सावित्रय अग्नि विद्या का ज्ञान इन्द्र और कालान्तर में भगवान श्री ब्रह्म जी द्वारा प्राप्त हुआ था। अग्नि के सामर्थ्य को आत्मसात कर ऋषि ने अमृत तत्व प्राप्त किया था और स्वर्ग लोक जाकर आदित्य से सायुज्य प्राप्त किया था। (तै.ब्राम्हण3/10/11)

सम्भवतः इसी कारण ऋषि भारद्वाज सर्वाधिक आयु प्राप्त करने वाले ऋषियों में से एक थे। चरक ऋषि ने उन्हें अपरिमित आयु वाला बताया है। (सूत्र-स्थान1/26)

आयुर्वेद सँहिता, भारद्वाज स्मृति, भारद्वाज सँहिता, राजशास्त्र, यँत्र-सर्वस्व (विमान अभियॉत्रिकी) आदि ऋषि भारद्वाज के रचित प्रमुख ग्रँथ हैं।

राइट बंधुओं से 2500 वर्ष पूर्व वायुयान की खोज भारद्वाज ऋषि ने कर ली थी। हालांकि वायुयान बनाने के सिद्धांत पहले से ही मौजूद थे। पुष्पक विमान का उल्लेख इस बात का प्रमाण हैं लेकिन ऋषि भारद्वाज ने 600 ईसा पूर्व इस पर एक विस्तृत शास्त्र लिखा जिसे विमान शास्त्र के नाम से जाना जाता है।

भारद्वाज के विमानशास्त्र में यात्री विमानों के अलावाए लड़ाकू विमान और स्पेस शटल यान का भी उल्लेख मिलता है। उन्होंने एक ग्रह से दूसरे ग्रह पर उड़ान भरने वाले विमानों के संबंध में भी लिखा हैए साथ ही उन्होंने वायुयान को अवश्य कर देने की तकनीक का उल्लेख भी किया।

समाचार दर्पण

गोरखनाथ विवि के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव के समापन समारोह में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व किया। विवि के छात्र शिवम पांडेय को 28 से 31 अक्तूबर तक गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शिवम पांडेय

शगुन शाही

अंजलि सिंह

वे विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। दिल्ली में देश भर के 28 राज्य 8 केंद्रीय शासित प्रदेश 55 केंद्रीय मंत्रालय के लोग वहां पर 31 अक्तूबर को कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। शिवम ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर भाग्यशाली और गौरवशाली मानते हैं। वह गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र हैं। इसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यो के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने को मौका मिला। वहीं विश्वविद्यालय की ही दो छात्राओं का चयन गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ है। यह है बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष की शगुन शाही और एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी द्वितीय वर्ष की अंजलि सिंह। इनका चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया है। तीनों छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दी।

मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता / गोरखपुर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,जंगल कौडिया में बीएससी नर्सिंग 5वां सेमेस्टर की 30 छात्राओं ,तथा पीबी बीएससी के 05 छात्राओं द्वारा मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय (शारीरिक स्वच्छता एवम कचरे का निपटान) के परिचय से शुरूवात की गई । जिसका मुख्य उद्देश शरीर के विभिन्न भाग की साफ सफाई के तरीकों, संचारी रोगों से बचाव तथा कचरे का सही तरीके से निपटान करना था।छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर्स के माध्यम , स्वरचित कविता , एवम् कठपुतली नृत्य के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान, शरीर की स्वच्छता विभिन्न तरीकों द्वारा तथा कचरे का नस्टीकरण के बारे में जानकारी दी। तथा कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा स्कूल के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को जलपान दिया गया। यह कार्यक्रम मिस आराधना, मिसेज निधि सिंह , मिस रोजी, मिसेज संगीता तथा मिस नैंसी के नेतृव में सम्पन किया गया।

कर्तव्य पथ पर चले शिवम अब शगुन और अंजलि को गणतंत्र दिवस परेड में मौका

गोरखपुर। मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव समापन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडेय ने 31 अक्तूबर को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गोरखपुर का प्रतिनिधित्व किया। अब इसी विश्वविद्यालय की दो छात्राएं शगुन शाही और अंजलि सिंह गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगी।

विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एनएसएस के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक शिवम पांडेय समेत विभिन्न स्वयंसेवक 31 अक्तूबर की शाम को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए। प्रधानमंत्री ने इस अमृत कलश यात्रा का समापन किया। संवाद

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया प्रतिनिधित्व

गोरखपुर : केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव के समापन मौके पर 28 से 31 अक्टूबर तक नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शिवम पांडे ने गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के लिए जिस प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया था, उसमें शिवम भी शामिल थे। वह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलाजी द्वितीय वर्ष के छात्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हैं। वहीं विश्वविद्यालय की ही दो छात्राएं शगुन शाही और अंजलि सिंह (एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलाजी द्वितीय वर्ष) का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करने के लिए हुआ है। तीनों विद्यार्थियों को कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेई, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव समेत सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी हैं। -विज्ञप्ति

शिविर में हुआ 785 लोगों का परीक्षण

गोरखपुर (एसएनबी)। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, बालापार की तरफ से ग्राम सभा बंगला, जंगल डुमरी नम्बर दो रविवार को विशाल स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। शिविर का उद्घाटन करते हुए पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के खुलने के बाद इस क्षेत्र में कई स्वास्थ्य शिविर लग चुके हैं। इस अवसर पर इंस्टिट्यूट के निदेशक कर्नल (डा.) राजेश बहल ने कहा कि यह संस्थान लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपराइच ब्लाक प्रमुख जनार्दन जायसवाल व राघवेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य शिविर में डा. राकेश सिंह, डा. ओपी सिंह, डा. प्रदीप कुशवाहा, डा. भरत, डा. हरिवंश यादव आदि ने कुल 785 लोगों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इस दौरान दवाएं भी दी गईं। जांच के दौरान मोतियाबिंद के 11 मरीज चिन्हित हुए। शिविर के आयोजन में विजेंद्र जयसवाल, अशोक निषाद एवम उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा। संचालन अनिल पांडेय व आभार ज्ञापन चिकित्सालय के प्रबंधक गिरिजेश कुमार मिश्रा ने किया।

ग्राम सभा बंगला, जंगल डुमरी नम्बर दो में रविवार को विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शिविर में 785 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बालापार की तरफ से ग्राम सभा बंगला, जंगल डुमरी नम्बर दो रविवार को विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्घाटन करते हुए पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के खुलने के बाद इस क्षेत्र में कई स्वास्थ्य शिविर लग चुके हैं।

इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के निदेशक कर्नल (डॉ) राजेश बहल ने कहा कि यह संस्थान लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपराइच ब्लाक प्रमुख जनार्दन जायसवाल व राघवेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों से जांच कराते लोग।

● जांच के दौरान मोतियाबिंद के 11 मरीज चिन्हित हुए

स्वास्थ्य शिविर में डॉ राकेश सिंह, डॉ ओपी सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भरत, डॉ हरिवंश यादव आदि ने कुल 785 लोगों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इस दौरान आवश्यक जांच कर दवाएं भी दी गईं।

जांच के दौरान मोतियाबिंद के 11 मरीज चिन्हित हुए। शिविर के आयोजन में विजेंद्र जयसवाल, अशोक निषाद एवम उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा। संचालन अनिल पांडेय व आभार ज्ञापन चिकित्सालय के प्रबंधक गिरिजेश कुमार मिश्रा ने किया।

शिविर में हुआ 785 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की तरफ से ग्राम सभा बंगला, जंगल डुमरी नम्बर दो में रविवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने किया। शिविर में डॉ राकेश सिंह, डॉ ओपी सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भरत, डॉ हरिवंश यादव ने 785 लोगों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इंस्टिट्यूट के निदेशक कर्नल डॉ .राजेश बहल जनार्दन जायसवाल व राघवेंद्र सिंह आदि रहे।

समाचार दर्पण

शिविर में हुआ 785 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बालापार की तरफ से ग्राम सभा बंगला, जंगल डुमरी नम्बर दो रविवार को विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए पिपराइच के विधायक महेंद्रपाल सिंह ने कहा कि गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के खुलने के बाद इस क्षेत्र में कई स्वास्थ्य शिविर लग चुके हैं। इस अवसर पर इंस्टिट्यूट के निदेशक कर्नल (डॉ) राजेश बहल ने कहा कि यह संस्थान लोगों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में पिपराइच ब्लाक प्रमुख जनार्दन जायसवाल व राघवेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य शिविर में डॉ राकेश सिंह, डॉ ओपी सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ. भरत, डॉ हरिवंश यादव आदि ने कुल 785 लोगों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इस दौरान आवश्यक जांच कर दवाएं भी दी गईं। जांच के दौरान मोतियाबिंद के 11 मरीज चिन्हित हुए। शिविर के आयोजन में विजेंद्र जयसवाल, अशोक निषाद एवम उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा। संचालन अनिल पांडेय व आभार ज्ञापन चिकित्सालय के प्रबंधक गिरिजेश कुमार मिश्रा ने किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक इस संगोष्ठी के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। विश्वविद्यालय में इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। तैयारियों के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संबंधित विभागों के जिम्मेदारों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। संगोष्ठी हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से शुरू हो गए थे। इस संगोष्ठी के लिए विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण कराए गए हैं जिसमें फैकल्टी, शोधार्थी के साथ विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। अब तक लगभग 600 आवेदन संगोष्ठी के लिए पंजीकृत कराए जा चुके हैं।

महायोगी गोरखनाथ विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी (ञक्क्र) के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक इस संगोष्ठी के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। विश्वविद्यालय में इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। तैयारियों के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संबंधित विभागों के जिम्मेदारों को जरूरी दिशानिर्देश दिए।

महायोगी गोरखनाथ विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से

गोरखपुर,२७नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा।

एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स बायोनेचर कॉन-2023विषयक इस संगोष्ठी के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। विश्वविद्यालय में इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। तैयारियों के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति एवं कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने संबंधित विभागों के जिम्मेदारों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। संगोष्ठी हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से शुरू हो गए थे। इस संगोष्ठी के लिए विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण कराए गए हैं जिसमें फैकल्टीए शोधार्थी के साथ विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। अब तक लगभग 600 आवेदन संगोष्ठी के लिए पंजीकृत कराए जा चुके हैं।

महायोगी गोरखनाथ विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से

(रवि प्रकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी (ळइफ) के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक इस संगोष्ठी के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा दो-दो लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। विश्वविद्यालय में इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। तैयारियों के संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुलपति एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने संबंधित विभागों के जिम्मेदारों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। संगोष्ठी हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 अक्टूबर से शुरू हो गए थे। इस संगोष्ठी के लिए विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण कराए गए हैं जिसमें फैकल्टी, शोधार्थी के साथ विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। अब तक लगभग 600 आवेदन संगोष्ठी के लिए पंजीकृत कराए जा चुके हैं।

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृव में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कालेज आफ नर्सिंग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,जंगल कौडिया में बीएससी नर्सिंग 5जी सेमेस्टर की 30 छात्राओं तथा पीबी बीएससी के 05 छात्राओं द्वारा मास हेल्थ एजुकेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय (शारीरिक स्वच्छता एवं कचरे का निपटान) के परिचय से की गई । छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर्स, स्वरचित कविता एवं कठपुतली नृत्य के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान, शरीर की स्वच्छता के विभिन्न तरीकों तथा कचरे का नष्टीकरण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं द्वारा स्कूल के सभी विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को जलपान दिया गया। कार्यक्रम में आराधना, निधि सिंह, रोजी, संगीता तथा नैंसी की सहभागिता रही।

Nursing students gave information about garbage disposal

GORAKHPUR: The students of Guru Shri Gorakhnath College of Nursing, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur, organized a mass health education program at the Community Health Center Jangal Kaudiya on Thursday. At the beginning of the program, information was given about mass health education and waste disposal. The students informed the villagers about the methods of waste disposal through various types of posters and self-written poems. In the next phase, awareness was created about waste disposal through chart paper and audio visual medium. 15 girl students of B.Sc Nursing fifth semester participated in this program organized under the leadership of Aradhana and Nidhi Singh.

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृव में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के

अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृव में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी

(गो०मे०सं०) गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृव में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। वोट डालेंगे हम स्लोगन प्रतियोगिता में संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान और फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान आलस को भगाएंगे, वोट करने जायेंगे का नारा लगाकर सभी ने मतदान करने और इसके लिए दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया। प्रतियोगिता के आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के डीन डॉ सुनील सिंह, कृषि विज्ञान विभाग के डॉ विमल कुमार दूबे, फार्मेसी के डॉ एसके सिंह, डॉ संदीप श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, अनिल मिश्र, डॉ अखिलेश कुमार दूबे आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

'नर्सिंग छात्राओं ने कुष्ठ आश्रम में चलाया जागरूकता अभियान'

संवाददाता

गोरखपुर, 6 नवंबर। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा के नेतृत्व में सोमवार को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर में जागरूकता का अभियान चलाया। नर्सिंग छात्राओं ने कुष्ठ आश्रम के रोगियों से मुलाकात की और उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व को समझाया। सभी स्वयंसेविकाओं ने मिलकर आश्रम परिसर की सफाई कर उसे सुंदर बनाया। अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह, अमृता की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया।

मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ हरिकृष्ण का सहयोग रहा।

मेंहदी प्रतियोगिता की निर्यायक डॉ अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल, और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

मेंहदी रचा छात्राओं ने लिया मतदान का संकल्प

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदान का संकल्प लिया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हुई मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया तथा अलका कुमारी को मिला

प्रतियोगिता में सभी संकायों के छात्रों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डा. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डा. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डा. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डा. एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डा. अखिलो दुबे, डा. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डा. हरिकृष्ण आदि का सहयोग रहा। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्यायक डा. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा एवं अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पाण्डेय, निधि तथा मनिता का चयन हुआ।

कुष्ठ आश्रम में चलाया जागरूकता अभियान : गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने प्राचार्या डा. डीएस अजीथा के नेतृत्व में सोमवार को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर में जागरूकता का अभियान चलाया। छात्राओं ने कुष्ठ आश्रम के रोगियों से मुलाकात की और उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। सभी स्वयंसेविकाओं ने मिलकर आश्रम परिसर की साफ-सफाई भी की। कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं अमृता की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान चल रहा है। इसके अंतर्गत सोमवार को आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया।

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हुई प्रतियोगिता।

प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करें विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ.मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ. एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ. हरिकृष्ण मौजूद रहे। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्यायक डॉ. अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह रहे। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। %वोट डालेंगे हम% स्लोगन प्रतियोगिता में संबद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान और फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान %आलस को भगाएंगे, वोट करने जायेंगे% का नारा लगाकर सभी ने मतदान करने और इसके लिए दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया। प्रतियोगिता के आयोजन में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के डीन डॉ सुनील सिंह, कृषि विज्ञान विभाग के डॉ विमल कुमार दूबे, फार्मेसी के डॉ एसके सिंह, डॉ संदीप श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, अनिल मिश्र, डॉ अखिलेश कुमार दूबे आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

नर्सिंग छात्राओं ने दी कचरा निपटान की जानकारी

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जंगल कौड़िया में मास हेल्थ एजुकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत मास हेल्थ एजुकेशन के विषय, कचरे का निपटान के परिचय से हुई। छात्राओं ने विभिन्न तरह के पोस्टर एवं स्वरचित कविता के माध्यम से गांववासियों को कचरे के निपटान के तरीकों की जानकारी दी। अगले चरण में चार्ट पेपर व ऑडियो विजुअल माध्यम से वेस्ट डिस्पोजल के बारे में जागरूक किया गया। आराधना एवं निधि सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग पंचम सेमेस्टर की 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

नर्सिंग छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा के नेतृत्व में सोमवार को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर में जागरूकता का अभियान चलाया।नर्सिंग छात्राओं ने कुष्ठ आश्रम के रोगियों से मुलाकात की और उन्हें स्वच्छता और सफाई के महत्व को समझाया। अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह, अमृता की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

कुष्ठ आश्रम में चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं ने सोमवार को कुष्ठ आश्रम राजेन्द्र नगर में जागरूकता का अभियान चलाया। इस दौरान प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा मौजूद रहीं। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी चौरंगीनाथ इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह, अमृता मौजूद रहीं।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रामचंद रेड्डी

भास्कर ब्यूरो

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में 'सुखायु' राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यहां के सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं जिन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय मिला है। विश्वस्तरीय श्रेष्ठ वैद्य तैयार करने के सारे संसाधन व गुण इस आयुर्वेद महाविद्यालय के पास हैं।

मेंहदी रचाकर लिया मतदान का संकल्प

संवाददाता

गोरखपुर, 6 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित मेंहदी प्रतियोगिता

में विद्यार्थियों ने मतदान का संकल्प लिया। प्रतियोगिता में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने श्मेरा वोट मेरा अधिकार, चलो मतदान करेंश विषय पर मेंहदी रचाकर अपने भावों को अभिव्यक्त किया। मतदाता जागरूकता के नोडल अधिकारी डॉ संदीप श्रीवास्तव के संयोजन में 75 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, उप कुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, सम्बद्ध स्वास्थ विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ.विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल के डॉ रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी के अधिष्ठाता डॉ एसके सिंह, कुमुद त्रिपाठी, राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ.अखिलेश दुबे, डॉ. धनंजय पाण्डेय और राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ हरिकृष्ण का सहयोग रहा। मेंहदी प्रतियोगिता की निर्यायक डॉ अनुपमा ओझा, प्रभा शर्मा, अनुपमा आनंद सिंह ने श्रेष्ठता के आधार पर प्रतिभागियों का चयन किया। प्रथम स्थान साधना साहनी को, द्वितीय सेजल, और तृतीय स्थान मधु गोंड, अमृता कन्नौजिया व अलका कुमारी को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के लिए शालिनी चौहान, अर्चिता गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, रेखा, ऋतु पांडेय, निधि व मनिता का चयन हुआ।

महायोगी गोरखनाथ आयुर्वेद विवि. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्बोधित करते मुख्य अतिथि पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ.जीएन सिंह तथा मचांसीन आचार्य राम चंद्र रेड्डी, कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार बाजपेयी।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह ने कहा कि आज सीएम योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षो पुराना होते हुए भी वह जीवंत है।

संगोष्ठी के उद्घाटन के बाद वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के अलग-अलग सत्रों में बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, फर्रुखाबाद में काया चिकित्सा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रीतिमयी साहू, बीएचयू में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डा. मंगलागौरी वर राव, एसडीएम कालेज आफ आयुर्वेद, उडुपी कर्नाटक के संहिता सिद्धांत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रसन्ना मोगासले ने अपने अध्ययन निष्कर्ष साझा किए। परिचय भाषण आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस में दिया जबकि आभार ज्ञापन डा. पियूष वर्षा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कालेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

कांग्रे

गोरखपुर (एर
जा रही है। वरि
लेकर जिलाध्यक्ष
हुई तकरार रुकने
के विरोध के
करने वाले कांग्रे
जिलाध्यक्ष
को ग्रुप से बाहर
बयान के मुताबि
कमेटी की उपा
पीसीसी सदस्य
कांग्रेसजनों को
लगाया कि सरद
कर दबाव बना
अनुराग पांडेय व
से वरिष्ठजनों के
गोरखपुर में कां
कठिन हाता जा
पंडित नेहरू और

महायोगी गोरखनाथ आयुर्वेद विवि. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्बोधित करते मुख्य अतिथि पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ.जीएन सिंह तथा मचांसीन आचार्य राम चंद्र रेड्डी, कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार बाजपेयी।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

इस दौरान मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह ने कहा कि आज सीएम योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षो पुराना होते हुए भी वह जीवंत है।

संगोष्ठी के उद्घाटन के बाद वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के अलग-अलग सत्रों में बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज, फर्रुखाबाद में काया चिकित्सा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रीतिमयी साहू, बीएचयू में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डा. मंगलागौरी वर राव, एसडीएम कालेज आफ आयुर्वेद, उडुपी कर्नाटक के संहिता सिद्धांत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रसन्ना मोगासले ने अपने अध्ययन निष्कर्ष साझा किए। परिचय भाषण आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस में दिया जबकि आभार ज्ञापन डा. पियूष वर्षा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कालेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

कांग्रे

गोरखपुर (एर
जा रही है। वरि
लेकर जिलाध्यक्ष
हुई तकरार रुकने
के विरोध के
करने वाले कांग्रे
जिलाध्यक्ष
को ग्रुप से बाहर
बयान के मुताबि
कमेटी की उपा
पीसीसी सदस्य
कांग्रेसजनों को
लगाया कि सरद
कर दबाव बना
अनुराग पांडेय व
से वरिष्ठजनों के
गोरखपुर में कां
कठिन हाता जा
पंडित नेहरू और

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु –प्रो. रेड्डी

गोरखपुर, 8 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के अलग अलग सत्रों में श्री बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, फर्रुखाबाद में काय चिकित्सा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीतिमयी साहू, बीएचयू में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मंगलागौरी वी. राव, एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, उडुपी कर्नाटक के संहिता सिद्धांत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रसन्ना मोगासले ने अपने अध्ययन निष्कर्ष साझा किए। परिचय भाषण आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस में दिया जबकि आभार ज्ञापन डॉ. पियूष वर्षा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

◆ **गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन**

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

स्वतंत्र चेतना
नगर संवाददाता /गोरखपुर।

महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में ह्यसुखायुह्न राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी वह जीवंत है।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेदए योग और ज्योतिष शास्त्र का जो

विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यहां के सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं जिन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय मिला है। विश्वस्तरीय श्रेष्ठ वैद्य तैयार करने के सारे संसाधन व गुण इस आयुर्वेद महाविद्यालय के पास हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान.विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. तुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी वह जीवंत है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेदए योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यहां के सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं जिन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय मिला है। विश्वस्तरीय श्रेष्ठ वैद्य तैयार करने के सारे संसाधन व गुण इस आयुर्वेद महाविद्यालय के पास हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान.विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. तुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी वह जीवंत है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद से प्राप्त की जा सकती है सुखायु

आयुर्वेद कालेज में दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन करते पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, साथ में कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी • सौ. कालेज

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में 'सुखायु' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बुधवार को आयोजित की गई। मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. रामचंद्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद की तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्ष पुराना होते हुए भी जीवंत है। शोध प्रस्तुति के अलग-अलग सत्रों में डा. प्रीतिमयी साहू, डा. मंगलागौरी वी. राव, डा. प्रसन्ना मोगासले ने अपने अध्ययन निष्कर्षों को साझा किया। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने विषय का परिचय दिया। डा. पियूष वर्षा ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा व डा. सुनील सिंह उपस्थित थे। -विज्ञप्ति

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु : प्रो. रेड्डी

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी वह जीवंत है। परिचय भाषण आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस में दिया जबकि आभार ज्ञापन डॉ. पियूष वर्षा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह आदि उपस्थित रहे।

आयुर्वेद से प्राप्त किया जा सकता है सुखायु –प्रो. रेड्डी

◆ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

गोरखपुर, 8 नवंबर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के आचार्य रामचंद्र रेड्डी मौजूद रहे।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां जरा अर्थात बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि नाथ सम्प्रदाय में यह ज्ञान वृहद रूप से मिलता है। नाथ सम्प्रदाय से गोरक्षनाथ पीठ भी जुड़ा है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना साकार हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के अलग अलग सत्रों में श्री बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, फर्रुखाबाद में काय चिकित्सा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रीतिमयी साहू, बीएचयू में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मंगलागौरी वी. राव, एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, उडुपी कर्नाटक के संहिता सिद्धांत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रसन्ना मोगासले ने अपने अध्ययन निष्कर्ष साझा किए। परिचय भाषण आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस में दिया जबकि आभार ज्ञापन डॉ. पियूष वर्षा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, कृषि विज्ञान अधिष्ठाता डा. विमल दूबे, डीन एलायड हेल्थ साइंस डा. सुनिल सिंह, प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज डा. डीएस अजीथा एवं भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित आयुर्वेद महाविद्यालय से प्रतिभागी, आयुर्वेद कालेज के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद, योग व ज्योतिष भारत को बनाएंगे विश्वगुरु

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बीएचयू के आचार्य प्रो. रामचन्द्र रेड्डी मौजूद रहे।

मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यहां के सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं जिन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय मिला है। विश्वस्तरीय श्रेष्ठ वैद्य तैयार करने के सारे संसाधन व गुण इस आयुर्वेद महाविद्यालय के पास हैं।

सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत खानपान अपनाएं

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी जीवंत है। संगोष्ठी के अलग-अलग सत्रों में डॉ. प्रीतिमयी साहू, डॉ. मंगलागौरी वी राव, डॉ. प्रसन्ना मोगासले ने अपने निष्कर्ष साझा किए। इस दौरान प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. पियूष वर्षा, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव आदि रहे।

आयुर्वेद, योग व ज्योतिष भारत को बनाएंगे विश्वगुरु

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते वक्ता।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बीएचयू के आचार्य प्रो. रामचन्द्र रेड्डी मौजूद रहे।

मुख्य वक्ता प्रो. रामचन्द्र रेड्डी ने कहा कि सभी लोग सुखी आयु अर्थात सुखायु चाहते हैं। इसे आयुर्वेद से ही प्राप्त किया जा सकता है। इसमें रसायन चिकित्सा के बारे में बताया गया है जो आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक है। इसमें वर्णित औषधियां बुढ़ापे को नहीं आने देती हैं। मृत्यु को भी रोकने की क्षमता आयुर्वेद चिकित्सा के पास है। आयुर्वेद के रसायन शास्त्र में भस्म निर्माण करने की विधि को भी बताया गया है। प्रो. रेड्डी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और ज्योतिष शास्त्र का जो विशिष्ट ज्ञान भारत के पास है, वह विश्व में कहीं नहीं है। ये तीनों मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाने अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यहां के सभी बीएएमएस छात्र भाग्यशाली हैं जिन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह विश्वविद्यालय मिला है। विश्वस्तरीय श्रेष्ठ वैद्य तैयार करने के सारे संसाधन व गुण इस आयुर्वेद महाविद्यालय के पास हैं।

सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत खानपान अपनाएं

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होने जा रहा है। उन्होंने सुखायु के लिए आयुर्वेद सम्मत रहन-सहन व खानपान अपनाने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आज पूरा विश्व आयुर्वेद के तरफ देख रहा है। आयुर्वेद का इतिहास हजारों वर्षों पुराना होते हुए भी जीवंत है। संगोष्ठी के अलग-अलग सत्रों में डॉ. प्रीतिमयी साहू, डॉ. मंगलागौरी वी राव, डॉ. प्रसन्ना मोगासले ने अपने निष्कर्ष साझा किए। इस दौरान प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. पियूष वर्षा, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव आदि रहे।

समाचार दर्पण

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

☐ महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

स्वतन्त्र चेतना

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है।

शिविर में ५०३ लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुरए 26 नवंबर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज द्वारा रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वृहद स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

शिविर में कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। उपस्थित चिकित्सकों में प्राचार्य डॉ.मंजूनाथ,डॉ.ओपी सिंह, डॉ मनोज कुमार गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ राकेश सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहाए डॉ भारत कुमार ने अपनी सेवाएं दीं। अस्पताल प्रबंधक जीके मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के उपलक्ष्य में एसपी क्राइम एवं मिशन शक्ति गोरखपुर की इंचार्ज इंदुप्रभा सिंह की अध्यक्षता में समाधान अभियान की निदेशक शीलम वाजपेयी ने आज मिशन शक्ति टीम के लिए इण्डिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड और समाधान अभियान के संयुक्त तत्वावधान में चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को बाल यौन शोषण से बचाव एवं पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी गई। सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श तथा निजी अंगों के नियमों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एसपी क्राइम इंदुप्रभा सिंह और गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य प्रो. दिव्या रानी सिंह ने विचार प्रस्तुत किए।

शिविर में 503 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वृहद स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। उपस्थित चिकित्सकों में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. ओपी सिंह, डॉ मनोज कुमार गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ राकेश सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भारत कुमार ने अपनी सेवाएं दीं। अस्पताल प्रबंधक जीके मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय मे एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

शिविर में 503 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर,ब्यूरो। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वृहद स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। उपस्थित चिकित्सकों में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. ओपी सिंह, डॉ मनोज कुमार गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ राकेश सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भारत कुमार ने अपनी सेवाएं दीं। अस्पताल प्रबंधक जीके मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

गोरखपुर,ब्यूरो। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

देश में सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी

- एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प
- मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया संबोधित

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गोरखनाथ विवि संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। यह युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि एनसीसी ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है।

एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए युवाओं को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है।

शिविर में 503 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की तरफ से रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश सिंह, डॉ. प्रदीप कुशवाहा, डॉ. भारत कुमार ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। ब्यूरो

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

⇨ महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

शिविर में 503 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में वृहद स्वास्थ्य मेला और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने महायोगी गोरखनाथ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। शिविर में कुल 503 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद के 12 मरीज चिन्हित किये गए। उपस्थित चिकित्सकों में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. ओपी सिंह, डॉ मनोज कुमार गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ राकेश सिंह, डॉ प्रदीप कुशवाहा, डॉ भारत कुमार ने अपनी सेवाएं दीं। अस्पताल प्रबंधक जीके मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

भास्कर ब्यूरो

● महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

➩ महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

न्याय आपका संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदेव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है।

एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अखिलेश कुमार दुबे, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दुबे, डॉ धनंजय पांडेय आदि भी मौजूद रहे।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के क्षेत्र के लोग : प्रो. एके सिंह

☐ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में तीन दिवसीय ह्यसुखायुह्व राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को धन्वंतरि जयंती के पावन पर्व पर हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को लकीर का फकीर बनने बनने से बचना होगा। आज के दौर में बन रही आयुर्वेदिक औषधियों की वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा। आयुर्वेदिक आचार्यो को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक प्रयास करना होगा।

प्रो. सिंह ने कहा कि हर एक चीज का एक मानक क्रम होता है। आयुर्वेद के मानक क्रम में एक दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य शामिल हैं। जब आहार विहार अनियमित होता है तब हमारे शरीर में टाक्सिन उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद में उस टाक्सिन का शोधन और शमन करते हुए चिकित्सा करते हैं तो वो अधिक कारगर होता है। उन्होंने कहा कि हमारी विशेषज्ञता वैद्य होने में है। हम अपने को वैद्य कहना आरंभ करें। डाक्टर तो पीएचडी कर के भी लिख सकते हैं लेकिन वैद्य लिखने के लिए बीएएमएस करना पड़ेगा। कुलपति ने घोषणा की कि आगामी महीने में आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद कालेज में नाड़ी परीक्षण पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, चिकित्सा अधीक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भगवान धन्वंतरि का हुआ पूजन

भगवान धन्वंतरि जयंती पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय दिवस पर धन्वन्तरि पूजन और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें केरल से आए डॉ. राम मनोहर पी., विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, बीएचयू के डा. एचएच अवस्थी, डा. तुषार ललित देशपांडे, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. सार्वभौम समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के विद्यार्थी

संगोष्ठी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में तीन दिवसीय 'सुखायु' संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को धन्वंतरि जयंती पर हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को लकीर का फकीर बनने बनने से बचना होगा। आज के दौर में बन रही आयुर्वेदिक औषधियों की वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा।

प्रो. सिंह ने कहा कि आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक जोर करना होगा। हर एक चीज का एक मानक क्रम होता है। आयुर्वेद के मानक क्रम में एक दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य शामिल हैं। जब आहार-विहार अनियमित होता है तब हमारे शरीर में टॉक्सिन उत्पन्न होते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अमृता स्कूल आफ आयुर्वेद, कोल्लम केरल के अनुसंधान निदेशक डॉ. राम मनोहर पी. ने कहा कि स्वस्थ आयु प्रदान करने वाला वेद ही आयुर्वेद है। कोरोना काल में आयुर्वेद ने अपने को पुनः सिद्ध किया है। यह आज भी पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति है। भगवान धन्वंतरि वो हैं जिन्होंने धनुष के द्वारा शत्रुओं का नाश किया अर्थात उन छह दोषों का नाश किया जो हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं।

शिक्षक और छात्र किए गए सम्मानित

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी। स्वागत संबोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के ने किया। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों और छात्रों को अपने शोध प्रस्तुति के लिए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, चिकित्सा अधीक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल आदि उपस्थित रहे।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के क्षेत्र के लोग : प्रो. एके सिंह

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 'सुखायु' राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

समझौता | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय व बीआरडी मेडिकल कॉलेज के बीच हुआ करार

अल्जाइमर से लड़ेगें एमजीयू व बीआरडी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। बुढ़ापे में भूलने की बीमारी का इलाज तलाशने की कवायद तेज हो गई है। इस बीमारी को अल्जाइमर कहते हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और बीआरडी मेडिकल कॉलेज मिलकर इस बीमारी का इलाज तलाशेंगे। इसको लेकर एक शोध प्रस्ताव पर दोनों संस्थान सहमत हुए हैं। दोनों संस्थाओं के बीच इस पर समझौता भी हो गया है।

इस शोध में अल्जाइमर की दवा की तलाश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया जाएगा। इसमें कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइनिंग के जरिए नए रसायनों की खोज होगी। जो की अल्जाइमर के इलाज पर प्रभावी होंगे। नए रसायनों को लैब में तैयार किया जाएगा। उसे फार्मूले को मेडिकल कॉलेज के एनिमल हस्बेंडरी में मौजूद चूहों पर प्रयोग किया जाएगा। प्री-क्लीनिकल शोध के रिजल्ट के आधार पर ही आगे शोध होगा।

उम्र के साथ बढ़ता है अल्जाइमर का खतरा : पूर्वी यूपी में सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज बीआरडी है। यहां बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। मानसिक रोग विभाग और न्यूरोलॉजी में अल्जाइमर के मरीज इलाज के लिए आते हैं। बढ़ती उम्र के साथ इस बीमारी के खतरे बढ़ने लगते हैं। यह पूर्वी यूपी में एकमात्र मेडिकल कॉलेज है जहां एनिमल हाउस है। यहां शोध के लिए चूहे मौजूद हैं। इस सुविधा का उपयोग मेडिकल कॉलेज के साथ गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी करेगा। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ गणेश कुमार ने बताया कि उम्र के साथ दिमाग की तंत्रिकाओं में कुछ हार्मोन की कमी हो जाती है। जिससे अल्जाइमर शुरू होता है।

दूरगामी होंगे परिणाम

उन्होंने बताया कि दोनों संस्थानों में सहयोग की कई संभावनाएं हैं। भविष्य में शुगर, ब्लड प्रेशर, पेन मैनेजमेंट व मोबाइल रेडिएशन के दुष्प्रभाव के नियंत्रण पर भी संयुक्त रूप से रिसर्च किया जा सकता है। इसको लेकर मंथन चल रहा है।

इस बीमारी को रोकने की अब तक की दवाएं बहुत कारगर नहीं है। इस वजह से इस क्षेत्र में संभावनाएं अपार हैं। मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग की टीम इस रिसर्च में शामिल होगी। जिसकी अगुआई डॉ. आरपी यादव करेंगे। गोरखनाथ विश्वविद्यालय से डॉ. शशिकांत सिंह को-ऑर्डिनेट करेंगे।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के क्षेत्र के लोग : प्रो. एके सिंह

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 'सुखायु' राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में तीन दिवसीय 'सुखायु' राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को धन्वंतरि जयंती के पावन पर्व पर हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को लकीर का फकीर बनने बनने से बचना होगा। आज के दौर में बन रही आयुर्वेदिक औषधियों की वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा। आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक प्रयास करना होगा। प्रो. सिंह ने कहा कि हर एक चीज का एक मानक क्रम होता है। आयुर्वेद के मानक क्रम में एक दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य शामिल हैं। जब आहार विहार अनियमित होता है तब हमारे शरीर में टाक्सिन उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद में उस टाक्सिन का शोधन और शमन करते हुए चिकित्सा करते हैं तो वो अधिक कारगर होता है। उन्होंने कहा कि हमारी विशेषज्ञता वैद्य होने में है। हम अपने को वैद्य कहना आरंभ करें। डाक्टर तो पीएचडी कर के भी लिख सकते हैं लेकिन वैद्य लिखने के लिए बीएएमएस करना पड़ेगा। कुलपति ने घोषणा की कि आगामी महीने में आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद कालेज में नाड़ी परीक्षण पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अमृता स्कूल आफ आयुर्वेद, कोल्लम केरल के अनुसंधान निदेशक डॉ. राम राम मनोहर पी. ने कहा कि स्वस्थ आयु प्रदान करने वाला वेद ही आयुर्वेद है। कोरोना काल में आयुर्वेद ने अपने को पुनः सिद्ध किया है। यह आज भी पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि वो हैं जिन्होंने धनुष के द्वारा शत्रुओं का नाश किया अर्थात उन छह दोषों का नाश किया जो हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं। हमारा शरीर ही धनुष है। इसमें केरल से आए डॉ. राम मनोहर पी, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, बीएचयू के डा. एचएच अवस्थी, डा. तुशार ललित देशपांड, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. सार्वभौम समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भगवान धन्वंतरि का हुआ पूजन

भगवान धन्वंतरि जयंती पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय दिवस पर धन्वन्तरि पूजन और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें केरल से आए डॉ. राम मनोहर पी., विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, बीएचयू के डा. एचएच अवस्थी, डा. तुषार ललित देशपांडे, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. सार्वभौम समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षकों और छात्रों को अपने शोध प्रस्तुति के लिए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्रों को सम्मानित किया गया।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के क्षेत्र के लोग : प्रो. एके सिंह

☐ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में तीन दिवसीय ह्यसुखायुह्न राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को धन्वंतरि जयंती के पावन पर्व पर हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को लकीर का फकीर बनने बनने से बचना होगा। आज के दौर में बन रही आयुर्वेदिक औषधियों की वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा। आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक प्रयास करना होगा।

प्रो. सिंह ने कहा कि हर एक चीज का एक मानक क्रम होता है। आयुर्वेद के मानक क्रम में एक दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य शामिल हैं। जब आहार विहार अनियमित होता है तब हमारे शरीर में टाक्सिन उत्पन्न होते हैं। आयुर्वेद में उस टाक्सिन का शोधन और शमन करते हुए चिकित्सा करते हैं तो वो अधिक कारगर होता है। उन्होंने कहा कि हमारी विशेषज्ञता वैद्य होने में है। हम अपने को वैद्य कहना आरंभ करें। डाक्टर तो पीएचडी कर के भी लिख सकते हैं लेकिन वैद्य लिखने के लिए बीएएमएस करना पड़ेगा। कुलपति ने घोषणा की कि आगामी महीने में आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयुर्वेद कालेज में नाड़ी परीक्षण पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, चिकित्सा अधीक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भगवान धन्वंतरि का हुआ पूजन

भगवान धन्वंतरि जयंती पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सुखायु राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय दिवस पर धन्वन्तरि पूजन और हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें केरल से आए डॉ. राम मनोहर पी., विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, बीएचयू के डा. एचएच अवस्थी, डा. तुषार ललित देशपांडे, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय, डा. सार्वभौम समेत शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लकीर का फकीर बनने से बचें आयुर्वेद के विद्यार्थी

संगोष्ठी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरक्षनाथ विश्विद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में तीन दिवसीय 'सुखायु' संगोष्ठी का समापन शुक्रवार को धन्वंतरि जयंती पर हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को लकीर का फकीर बनने बनने से बचना होगा। आज के दौर में बन रही आयुर्वेदिक औषधियों की वैज्ञानिक गुणवत्ता सिद्ध करने का प्रयास करना होगा।

प्रो. सिंह ने कहा कि आयुर्वेदिक आचार्यों को प्रयोगात्मक शिक्षण पर अधिक जोर करना होगा। हर एक चीज का एक मानक क्रम होता है। आयुर्वेद के मानक क्रम में एक दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार, पथ्य और अपथ्य शामिल हैं। जब आहार-विहार अनियमित होता है तब हमारे शरीर में टॉक्सिन उत्पन्न होते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अमृता स्कूल आफ आयुर्वेद, कोल्लम केरल के अनुसंधान निदेशक डॉ. राम

शिक्षक और छात्र किए गए सम्मानित

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति सेवानिवृत्त मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी आयुर्वेद को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी। स्वागत संबोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के ने किया। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षकों और छात्रों को अपने शोध प्रस्तुति के लिए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किए छात्रों को सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, चिकित्सा अधीक्षक सेवानिवृत्त कर्नल डा. राजेश बहल आदि उपस्थित रहे।

मनोहर पी. ने कहा कि स्वस्थ आयु प्रदान करने वाला वेद ही आयुर्वेद है। कोरोना काल में आयुर्वेद ने अपने को पुनः सिद्ध किया है। यह आज भी पूरे विश्व में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा पद्धति है। भगवान धन्वंतरि वो हैं जिन्होंने धनुष के द्वारा शत्रुओं का नाश किया अर्थात उन छह दोषों का नाश किया जो हमारे मस्तिष्क में उत्पन्न होते हैं।

देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है एनसीसी : मेजर जनरल वाजपेयी

भास्कर ब्यूरो

- महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी दिवस पर कैडेट्स ने परेड कर लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के स्थापना दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट्स द्वारा परेड का राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति,मेजर जनरल (सेवानिवृतन) डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है जो युद्ध और शांति में सैन्य सेवा के लिए सैदैव तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता के साथ कार्य करते हुए युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करती है। इस अवसर पर एनसीसी के सीटीओ डॉ .संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सरहदों की रक्षा के लिए कैडेट्स को तैयार करना एनसीसी का अहम लक्ष्य है। एनसीसी अधिकारी डॉ.हरि कृष्ण ने कहा कि विश्वविद्यालय में एनएनसी दिवस का पहला आयोजन अभूतपूर्व है। राष्ट्र संकल्प परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया।

गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन

भास्कर ब्यूरो

- 15 दिसंबर से शुरू होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी, बैठक में हुई तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक यहां आएंगे।

एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारो को साझा किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व को जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियां का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए डॉ. अमित कुमार दुबे, प्रबंधन एवं स्मारिका हेतु डॉ अनुपमा ओझा, शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो. शशिकांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए डॉ अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु डॉ योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन

गोरखपुर(**विधान केसरी**)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक यहां आएंगे।

एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारो को साझ किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व क जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेव बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा।

बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियां का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए डॉ. अमित कुमार दुबे, प्रबंधन एवं स्मारिक हेतु डॉ अनुपमा ओझा, शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो. शशिकांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए डॉ अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु डॉ योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

15 दिसंबर से शुरू होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेषन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जा रहा है। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन, बैठक में हुई तैयारियों की समीक्षा

एडवांसेज एंड अपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्राम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारों को साझा किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व को जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा?

बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियां का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए ड अमित कुमार दुबे, प्रबंन एवं स्मारिका हेतु ड अनुपमा ओझा, ैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो ाकिांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए ड अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु ड योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन

15 दिसंबर से शुरू होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी, बैठक में हुई तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक यहां आएंगे। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारो को साझा किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व को जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए

डॉ. अमित कुमार दुबे, प्रबंधन एवं स्मारिका हेतु डॉ अनुपमा ओझा, शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो. शशिकांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए डॉ अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु डॉ योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन

भास्कर ब्यूरो

- **15 दिसंबर से शुरू होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी, बैठक में हुई तैयारियों की समीक्षा**

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक यहां आएंगे।

एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारो को साझा किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व को जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियां का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए डॉ. अमित कुमार दुबे, प्रबंधन एवं स्मारिका हेतु डॉ अनुपमा ओझा, शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो. शशिकांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए डॉ अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु डॉ योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक करेंगे मंथन

15 दिसंबर से शुरू होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी, बैठक में हुई तैयारियों की समीक्षा

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान एवं ट्रांसलेशन बायोमेडिकल रिसर्च सोसायटी के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से किया जाएगा। संगोष्ठी में मंथन करने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिक यहां आएंगे। एडवांसेज एंड ऑपर्चुनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्रॉम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कॉन-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें देश-दुनिया से प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारो को साझा किया जाएगा जिससे सभी प्राकृतिक संसाधन से बन रहे औषधि के महत्व को जानेंगे। बैठक में कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से डायबिटीज, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, यह इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। पंजीकरण व अतिथि सत्कार के लिए

डॉ. अमित कुमार दुबे, प्रबंधन एवं स्मारिका हेतु डॉ अनुपमा ओझा, शैक्षणिक कार्यक्रम हेतु प्रो. शशिकांत सिंह, स्टेज एवं स्थल सजावट के लिए डॉ अनिल कुमार, भोजन व आवास हेतु डॉ योगेंद्र सिंह तथा मीडिया समन्वय के लिए प्रभा शर्मा के नेतृत्व में समिति बनाई गई।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 15 दिसंबर से

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय व फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 दिसंबर से आयोजित होगी। एडवांसेज एंड अपार्च्युनिटीज इन ड्रग डिस्कवरी फ्राम नेचुरल प्रोडक्ट्स (बायोनेचर कान-2023) विषयक संगोष्ठी की तैयारी की समीक्षा बैठक बुधवार को हुई। अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि यह संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए सार्थक सिद्ध होगी। इसमें प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा विचारों को साझा किया जाएगा। कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि प्राकृतिक संसाधन जैसे आयुर्वेद एवं स्टेम सेल से मधुमेह, कैंसर आदि जानलेवा बीमारियों से कैसे बचा जा सकता है, इस संगोष्ठी का केंद्र बिंदु रहेगा। विज्ञप्ति

निमार्णाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन प्राध्यापक आवास

02 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 मेंहदी प्रतियोगिता में छात्राएं

02 स्वास्थ्य कैंप में चिकित्सिका व मरीज

03 नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं एवं शिक्षिका

04 रंगोली बनाती हुई छात्राएं

05 'सुखायु' उद्घाटन के दौरान डॉ. जी.एन. सिंह व अन्य

06 एनसीसी कैडेट्स

07 सम्बोधित करते हुए डॉ. राम मनोहर पी.

08 डॉ. मंगला गौरी वी. राव जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य व प्राध्यापिका

09 'सुखायु सोविनियर पत्रिका' का विमोचन करते हुए डॉ. मंजूनाथ एन.एस., माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, डॉ. ए.के. सिंह, श्रीमती साधना सिंह व अन्य

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
प्रभा शर्मा

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. गणेश लाल एवं अनामिका जायसवाल

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur